■ आश्विन शुक्ल - 10 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 80 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » रविवार » 13-10-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 भारत रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की ओर अग्रसर : सेठ

6 विनोद कुमार चौबे: नसलियों के नेटवर्क का किया पर्दाफाश, घातक हमले में लगा दी जान की बाज़ी

7 रतन टाटा की जिंदगी पर फिल्म बनाएंगे डा. सुभाष चंद्रा

फर्स्ट टेक

अमेरिका ने भारतीय कंपनी सहित दर्जन भर को प्रतिबंधित किया

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका ने ईरान के तेल को एशिया में खरीदारों को बेचने के लिए अवैध रूप से ले जाने के आरोप में दर्जन भर जहाजरानी कंपनियों को प्रतिबंधित किया है। इनमें एक भारतीय कंपनी भी शामिल है। ईरान के एक अक्टूबर को इजरायल पर किए गए हमले के बाद उसके ऊर्जा व्यापार पर प्रतिबंध लगाए जाने के कुछ दिन बाद ही अमेरिका ने इन कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिए। अमेरिकी विदेश विभाग ने आरोप लगाया है कि भारत स्थित कंपनी गब्बारो शिप सर्विसेज भी कच्चे तेल के अवैध परिवहन में शामिल थी।

चेन्नई स्थित कंपनी ने कर्मचारियों को 28 कारें, 29 बाइक उपहार में दीं

चेन्नई/भाषा। ढांचागत इस्पात डिजाइन और डिटेलिंग कंपनी टीम डिटेलिंग सॉल्यूशंस ने अपने कर्मचारियों को 28 कारें और 29 बाइक उपहार में दी हैं। कंपनी के एक अधिकारी ने बताया कि ये उपहार कर्मचारियों की उत्पादकता बढ़ाने और उन्हें बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से दिए गए हैं। अधिकारी ने कहा कि कर्मचारियों को उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण के लिए सराहना के प्रतीक के रूप में हुंदै, टाटा, मारुति सुजुकी और मर्सिडीज बेंज जैसी विभिन्न प्रकार की नई कारें भेंट की गईं। कंपनी के प्रबंध निदेशक श्रीधर कन्नन ने कहा, हम कंपनी की सफलता में उनके (कर्मचारियों) अथक प्रयासों के लिए अपनी प्रशंसा दिखाना चाहते थे। हमारा मानना है कि हमारे कर्मचारी हमारी सबसे बड़ी संपत्ति हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी ने कर्मचारियों के योगदान को उनके प्रदर्शन, सेवा के वर्षों के आधार पर मापा है। हमारे कर्मचारियों ने असाधारण प्रतिबद्धता और समर्पण का प्रदर्शन किया है, और हमें उनकी उपलब्धियों को मान्यता देने पर गर्व है।

अमेरिका ने सीरिया में कई आतंकवादी शिविरों पर हवाई हमले किए

बेरूत/एपी। अमेरिका ने सीरिया में इस्लामिक स्टेट (आईएस) समूह द्वारा संचालित कई शिविरों पर हवाई हमले किए हैं। अमेरिकी सेना ने कहा कि यह अभियान चरमपंथियों को क्षेत्र में तथा उसके बाहर हमले करने से रोकेगा। अमेरिकी मध्य कमान ने कहा कि ये हवाई हमले शुक्रवार को किए गए, हालांकि उसने यह नहीं बताया कि सीरिया के किन हिस्सों को निशाना बनाया गया। पूर्वी सीरिया में अमेरिका समर्थित और कुर्द नेतृत्व वाली 'सीरियाई डेमोक्रेटिक फोर्सेस' के साथ लगभग 900 अमेरिकी सैनिकों को तैनात किया गया है, जो आईएस आतंकवादियों के खिलाफ लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

सूर्यास्त 13-10-2024 6:01 बजे | सूर्योदय 14-10-2024 6:09 बजे

BSE	NSE
81,381.36	24,964.25
(-230.05)	(-34.20)

सोना	चांदी
7,953 रु.	92,585 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

पूर्वाग्रह छोड़ें

क्या किसी एक दुर्घटना पर,
हम सबको दोषी कह डालें।
गलती तो कोई एक करे,
क्या बैर सभी से ही पालें।
ना धर्म जाति या वर्ग बुरे,
सबको ना इक साँचे ढालें।
जड़ताएं तज बन कर जहीन,
ऐसी सब स्थितियों को टालें।।

'आतंकवादियों की पार्टी' है भाजपा : मल्लिकार्जुन खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कलबुर्गी (कर्नाटक)/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने उनकी पार्टी को ''अर्बन नक्सल गिरोह'' द्वारा चलाये जाने संबंधी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हालिया टिप्पणी को लेकर उन पर पलटवार करते हुए शनिवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ''आतंकवादियों की पार्टी'' है।

खरगे ने आरोप लगाया कि वे 'लिंचिंग' करते हैं और लोगों को पीटते हैं तथा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति (एससी/एसटी) समुदायों के लोगों पर अत्याचार करते हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष की टिप्पणी पर पलटवार करते हुए भाजपा की कर्नाटक इकाई के वरिष्ठ नेता और विधानपरिषद सदस्य (एमएलएसी) एन रविकुमार ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि देश में आतंकवाद और नक्सली गतिविधियों में करीब 80-90 प्रतिशत की कमी आई है। उन्होंने इस विषय पर सर्वेक्षण और बहस कराने की चुनौती दी कि -- आतंकियों का समर्थक कौन है?

रविकुमार ने केंद्र की (नरेन्द्र) मोदी सरकार के 10 साल की तुलना मनमोहन सिंह के दस साल के शासनकाल से करते हुए यह बात कही।

खरगे ने मोदी की टिप्पणियों के बारे में पूछे जाने पर कहा, ''वह (मोदी) हमेशा से यह कहते रहे हैं। यहां तक कि वह अब भी यह कह रहे हैं। अब तक वह चुप बैठे थे, थोड़ा अब जान आने के बाद वह अर्बन नक्सल बोल रहे हैं। वह प्रबुद्ध और प्रगतिशील लोगों को अर्बन नक्सल बोल रहे हैं, वह कांग्रेस को भी ऐसा (अर्बन नक्सल) बोल रहे हैं। यह उनकी आदत है।''

भाजपा का पलटवार; कहाः

कांग्रेस ने सदा आतंकियों का समर्थन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा केंद्र में सत्तारूढ़ दल को ''आतंकवादियों की पार्टी'' कहे जाने के बाद शनिवार को उन पर पलटवार किया और कहा कि हमेशा आतंकवादियों का समर्थन करने वाली मुख्य विपक्षी पार्टी अब इस तरह के आरोप लगा रही है।

खरगे के आरोप पर पलटवार करते हुए भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि कांग्रेस जो तीन तलाक, हलाला और हिजाब जैसी रूढ़िवादी इस्लामी प्रथाओं के पक्ष में खड़ी थी, अब हिंदू समाज के बारे में सभी प्रकार की आधारहीन टिप्पणियां कर रही है।

त्रिवेदी ने कहा कि यह 'अर्बन नक्सल' वाली मानसिकता का मंसूबा है जिस बारे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बोला करते हैं।

मैसूरु दशहरा

विजया दशमी के अवसर पर शनिवार को महलों के शहर मैसूरु में शानदार जम्बो सवारी के साथ जुलूस निकाले जाने के साथ ही 10 दिनों तक चलने वाले विश्व विख्यात 'मैसूरु दशहरा' उत्सव का भव्य समापन हो गया। मैसूरु पैलेस के समक्ष जम्बो सवारी के रूप में अभिमन्यु हाथी सोने के हौदे पर सवार मां चामुन्डेश्वरी देवी को पुष्प अर्पित करते हुए मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार एवं अन्य।

देशभर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक दशहरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देशभर में शनिवार को पूरे हर्षोल्लास के साथ दशहरा मनाया गया और बड़ी संख्या में लोग रावण के पुतलों का दहन देखने के लिए उमड़ पड़े। इसके साथ ही अनुष्ठानों, गीतों, नृत्य और शोभायात्राओं के 10 दिवसीय उत्सव का शानदार समापन हो गया।

खुले मैदानों में रावण, उसके भाई कुंभकर्ण और पुत्र मेघनाद के पुतलों का दहन किया गया। जलते हुए पुतलों में लगे पटाखे फूटने से रात को आकाश प्रकाश से जगमगा उठा।

सोशल मीडिया मंचों पर लोगों ने एक-दूसरे को दशहरा की शुभकामनाएं दीं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लाल किले के परेड ग्राउंड में आयोजित समारोह में शामिल हुए, जहां श्री धार्मिक लीला समिति के आयोजकों ने उनका स्वागत किया।

कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल और दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी भी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच दशहरा उत्सव में हिस्सा लिया।

राहुल गांधी ने अपने व्हाट्सएप चैनल पर लिखा, जय सिया राम! आज मुझे दिल्ली के रामलीला मैदान में दशहरा उत्सव के दौरान 'रावण वध' में भाग लेने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा, अन्याय पर न्याय और बुराई पर अच्छाई की हमेशा जीत होगी - यह महान उत्सव इस परम सत्य की सबसे अच्छी और सटीक अभिव्यक्ति है।

विभिन्न स्थानों पर विशाल दुर्गा पूजा पंडाल स्थापित किए गए, जिनमें राजनीति, चित्रकला और प्रतिष्ठित स्मारकों समेत विभिन्न नवीन विषयों पर आधारित डिजाइन प्रदर्शित किए गए। शहरों, कस्बों और गांवों में रामलीला का मंचन किया गया, जिसमें कलाकारों ने रामायण के पात्रों की वेशभूषा धारण कर अभिनय किया।

वैश्विक भूख सूचकांक 2024 में 127 देशों में 105वें स्थान पर भारत

लंदन/भाषा। वैश्विक भूख सूचकांक (जीएचआई) की 127 देशों की सूची में भारत को 105वें स्थान के साथ 'गंभीर' श्रेणी में रखा गया है। अंतरराष्ट्रीय मानवीय एजेंसियां भूख के स्तर को मापने के लिए कुपोषण और बाल मृत्यु दर संकेतकों के आधार पर जीएचआई स्कोर प्रदान करती हैं, जिसके आधार पर यह सूची तैयार की जाती है। साल 2024 की रिपोर्ट इस सप्ताह आयरलैंड के मानवीय संगठन 'कंसर्न वर्ल्डवाइड' और जर्मन सहायता एजेंसी 'वेल्थहंगरहिल्फ' ने प्रकाशित की है, जिसमें इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि भूख के मुद्दे से निपटने के उपायों में अधिक प्रगति नहीं होने से दुनिया के कई सबसे गरीब देशों में भूख का स्तर कई दशकों तक उच्च बना रहेगा। भारत उन 42 देशों में शामिल है जिन्हें पाकिस्तान और अफगानिस्तान के साथ गंभीर श्रेणी में रखा गया है जबकि अन्य दक्षिण एशियाई पड़ोसी देश जैसे बांग्लादेश, नेपाल और श्रीलंका बेहतर जीएचआई स्कोर के साथ मध्यम श्रेणी में हैं।

मुंबई में राकांपा नेता बाबा सिद्दीकी की गोली मारकर हत्या

मुंबई पुलिस ने दो कथित शूटर को हिरासत में लिया, तीसरा फरार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की शनिवार रात मुंबई के बांद्रा ईस्ट इलाके में तीन लोगों ने गोली मारकर हत्या कर दी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि निर्मल नगर में कोलगेट मैदान के पास बाबा सिद्दीकी के बेटे एवं विधायक जीशान सिद्दीकी के कार्यालय के बाहर हुई इस घटना के तुरंत बाद दो लोगों को गिरफ्तार किया गया।

उपमुख्यमंत्री एवं राकांपा प्रमुख अजित पवार ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक शोक संदेश में, इस हमले को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय बताया। उन्होंने कहा कि हमले की गहन जांच की जाएगी।

इससे पहले, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बताया कि मुंबई पुलिस आयुक्त विवेक फणसलकर ने उन्हें जानकारी दी है कि दो कथित शूटर को हिरासत में लिया गया है।

मुख्यमंत्री ने टेलीविजन चैनलों को बताया कि उनमें से एक उत्तर प्रदेश और दूसरा हरियाणा से है, जबकि तीसरा आरोपी मौके से भाग गया।

सैमसन के शतक से भारत की 133 रन से जीत, श्रृंखला 3-0 से अपने नाम की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। संजू सैमसन के पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक की मदद से भारत ने बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे और आखिरी टी20 मैच में शनिवार को 133 रन से जीत दर्ज करके श्रृंखला 3-0 से अपनी झोली में डाली ।

भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला करके छह विकेट पर 297 रन बनाये जो इस प्रारूप में उसका सर्वोच्च स्कोर था । बांग्लादेश की टीम जवाब में सात विकेट पर 164 रन ही बना सकी । भारत के लिये तेज गेंदबाज मयंक यादव ने 32 रन देकर दो और लेग स्पिनर रवि बिश्नोई ने 30 रन देकर तीन विकेट लिये । बांग्लादेश के लिये तौहीद ह्रदय ने 42 गेंद में 63 और लिटन दास ने 25 गेंद में 42 रन बनाये लेकिन बाकी बल्लेबाज नहीं चल सके ।

इससे पहले भारत ने टी20 क्रिकेट के इतिहास का दूसरा सर्वोच्च स्कोर बनाया । भारत ने अफगानिस्तान द्वारा 2019 में देहरादून में आयरलैंड के खिलाफ बनाये गए तीन विकेट पर 278 रन के स्कोर को पीछे छोड़ा । टी20 क्रिकेट में सर्वोच्च टीम स्कोर का रिकॉर्ड नेपाल के नाम है जिसने 314 रन बनाये थे ।

इससे पहले टी20 क्रिकेट में भारत का सर्वोच्च स्कोर पांच विकेट पर 260 रन था जो 2017 में श्रीलंका के खिलाफ इंदौर में बनाया था । भारत के लिये सैमसन ने सिर्फ 47 गेंद में 11 चौकों और आठ छक्कों की मदद से 111 रन बनाये जो रोहित शर्मा (35 गेंद) के बाद किसी भारतीय का दूसरा सबसे तेज टी20 शतक है । कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 35 गेंद में 75 रन बनाये जिसमें आठ चौके और पांच छक्के शामिल थे ।दोनों ने दूसरे विकेट के लिये 173 रन की साझेदारी की ।

सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा (चार) जल्दी आउट हो गए । तंजीम हसन की गेंद पर पूल शॉट खेलने के प्रयास में उन्होंने अपना विकेट गंवाया । इसके बाद सैमसन और सूर्यकुमार ने मोर्चा संभाला । सैमसन ने तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद को दूसरे ही ओवर में लगातार चार चौके जड़े । अगले 10.3 ओवर में दर्शकों को दशहरे के दिन बल्ले से आतिशबाजी देखने को मिली ।

ओटीटी मंच नैतिक भ्रष्टाचार का कारण, विनियमन की आवश्यकता : भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को कहा कि ओटीटी (ओवर-द-टॉप) मंच पर उपलब्ध सामग्री ''नैतिक भ्रष्टाचार'' के कारणों में से एक है और इसे कानून के माध्यम से विनियमित करने की आवश्यकता है।

भागवत ने यहां रेशमबाग मैदान में आरएसएस की पारंपरिक विजया दशमी रैली में मूल्य आधारित शिक्षा की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा, ''ओटीटी मंच पर जिस तरह की चीजें दिखाई जाती हैं, वे इतनी घिनौनी हैं कि उनके बारे में बात करना भी अशोभनीय होगा इसलिए मैंने कहा है कि इसे कानून के माध्यम से विनियमित करने की आवश्यकता है क्योंकि यह भी नैतिक भ्रष्टाचार के बड़े कारणों में से एक है।''

भागवत ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मूल्य आधारित शिक्षा की आवश्यकता को मान्यता दी गई है और इसके अनुसार पाठ्यक्रम तैयार किया गया है लेकिन शिक्षकों श्ररा उदाहरण स्थापित किए बिना यह प्रभावी नहीं होगा और इसलिए शिक्षक उन्मुखीकरण की एक नई प्रणाली बनानी होगी।

संघ प्रमुख ने कहा कि सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं को भी ध्यान रखना चाहिए कि इसका उपयोग समाज को जोड़ने और मूल्य प्रदान करने के लिए किया जाना चाहिए, न कि समाज को तोड़ने और अश्लीलता एवं अभद्रता फैलाने के लिए।

आरएसएस है राष्ट्रसेवा में समर्पित : मोदी

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के स्थापना के सौवें साल में प्रवेश करने के ऐतिहासिक अवसर पर (उसके) स्वयंसेवकों को बधाई देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि आरएसएस राष्ट्र सेवा के प्रति समर्पित है।

सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर मोदी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत श्ररा दिये गए वार्षिक विजयादशमी उद्बोधन का 'लिंक' साझा किया और कहा कि इसे अवश्य सुना जाना चाहिए। इस हिंदुत्व संगठन की प्रशंसा करते हुए मोदी ने कहा कि 'मां भारती' के लिए संघ का संकल्प और समर्पण हर पीढ़ी को प्रेरित करने के साथ ही 'विकसित भारत' के लक्ष्य को साकार करने में नई ऊर्जा भरने वाला है। भाजपा में आने से पहले मोदी संघ के प्रचारक थे। आरएसएस को भाजपा का वैचारिक मातृ संगठन समझा जाता है । आरएसएस के स्वयंसेवकों ने दशकों के दौरान उसके संगठनात्मक विस्तार में अहम भूमिका निभायी है।

गुजरात के मेहसाणा में निर्माण स्थल पर मिट्टी धंसने से नौ मजदूरों की मौत

प्रधानमंत्री ने जताया शोक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मेहसाणा/भाषा। गुजरात के मेहसाणा जिले के कडी कस्बे के पास शनिवार को स्टेनलेस स्टील फैक्टरी के निर्माण के दौरान मिट्टी धंसने से दो महिलाओं समेत नौ मजदूरों की मौत हो गई और एक व्यक्ति घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी।

कडी थाने के निरीक्षक प्रह्लाद सिंह वाघेला ने बताया कि घटना जसलपुर गांव में हुई, जहां मजदूरों ने एक टैंक के लिए 16 फुट गहरा गड्ढा खोदा था।

वाघेला ने बताया, दमकल विभाग, पुलिस और मजदूरों की टीम ने करीब दो घंटे तक बचाव अभियान चलाया। मिट्टी के ढेर से नौ शव निकाले गए, जबकि एक व्यक्ति को जिंदा निकाला गया। मृतकों में से ज्यादातर दाहोद के थे, जबकि तीन राजस्थान के थे। उनकी उम्र 20-30 साल है।

अधिकारी ने बताया कि वे 'स्टीलीनॉक्स स्टेनलेस प्राइवेट लिमिटेड' की साइट पर निर्माण कार्य में लगे हुए थे।

प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से 'एक्स' पर जारी बयान के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने घटना को अत्यंत दुखद बताया।

प्रधानमंत्री ने कहा, गुजरात के मेहसाणा में दीवार गिरने से हुई दुर्घटना अत्यंत दुखद है। इसमें (हादसे में) जिन्होंने अपनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी शोक-संवेदनाएं। ईश्वर उन्हें इस पीड़ा को सहन करने का संबल प्रदान करे। इसके साथ ही मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। राज्य सरकार की देखरेख में स्थानीय प्रशासन पीड़ितों की हरसंभव सहायता में जुटा है।

मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने 'एक्स' पर एक संदेश में संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि प्रशासन ने घायलों के बचाव और त्वरित उपचार की प्रक्रियाएं पूरी कर ली हैं।

देवी अहिल्याबाई के नाम से जानी जाएगी मप्र पुलिस की वाहिनी : मुख्यमंत्री मोहन यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर/भाषा। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शनिवार को विजयादशमी के मौके पर इंदौर में शस्त्र पूजन करने के साथ ही घोषणा की कि पुलिस की एक वाहिनी पूर्व होलकर राजवंश की शासक देवी अहिल्याबाई के नाम से जानी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने देवी अहिल्याबाई की 300वीं जयंती के उपलक्ष्य में यह घोषणा की। यादव ने शहर की पुलिस लाइन में महाकाली की बड़ी तस्वीर के आस-पास सुसज्जित शस्त्रों का पुरोहितों के वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजन किया। इस मौके पर सूबे के पुलिस महानिदेशक सुधीर कुमार सक्सेना भी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने देवी अहिल्याबाई को उनके सुशासन, कूटनीति और देश भर के 150 से ज्यादा हिंदू तीर्थस्थलों पर कराए गए निर्माण कार्यों के लिए याद किया।

यादव, राज्य का गृह मंत्रालय भी संभाल रहे हैं। उन्होंने शस्त्र पूजन के बाद एक भव्य समारोह में कहा, ''देवी अहिल्याबाई ने एक हाथ में शस्त्र और दूसरे हाथ में शास्त्र लेकर शासन किया। हमने फैसला किया है कि इंदौर में पुलिस की एक वाहिनी देवी अहिल्याबाई के नाम से जानी जाएगी।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि देवी अहिल्याबाई से प्रेरणा लेते हुए राज्य भर में कौशल विकास केंद्र खोले जाएंगे ताकि निवेशकों को दक्ष मानव संसाधन मुहैया कराया जा सके। उन्होंने पड़ोसी महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले का नाम बदलकर अहिल्या नगर किए जाने के फैसले का स्वागत भी किया और कहा कि महाराष्ट्र सरकार का यह कदम प्रशंसनीय है। अहिल्याबाई का जन्म इस जिले के चौंडी गांव में हुआ था।

हरियाणा: 17 अक्टूबर को होगा नई भाजपा सरकार का शपथ ग्रहण समारोह, प्रधानमंत्री मोदी होंगे शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। हरियाणा में नई भाजपा सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 17 अक्टूबर को पंचकूला में होगा। पार्टी ने शनिवार को एक बयान में यह जानकारी दी।

बयान में कहा गया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और कुछ अन्य राज्यों के मुख्यमंत्री इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा, हमें प्रधानमंत्री की मंजूरी मिल गई है और 17 अक्टूबर को पंचकूला में मुख्यमंत्री तथा उनके मंत्रिपरिषद का शपथ ग्रहण समारोह होगा। शपथ ग्रहण समारोह पंचकूला के सेक्टर पांच स्थित दशहरा मैदान में सुबह 10 बजे होगा।

भाजपा ने विधानसभा चुनाव के दौरान संकेत दिया था कि अगर पार्टी जीतती है तो नायब सिंह सैनी शीर्ष पद के लिए उसकी पसंद होंगे, जिन्होंने मार्च में मनोहर लाल खट्टर की जगह हरियाणा के मुख्यमंत्री का पद संभाला था।

हरियाणा के मुख्यमंत्री को 'जान से मारने की धमकी' देने के आरोप में व्यक्ति गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जींद/भाषा। हरियाणा के जींद जिले में जुलाना में एक व्हाट्सएप ग्रुप पर हरियाणा के मुख्यमंत्री को कथित तौर पर 'जान से मारने की धमकी' देने के लिए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार आरोपी की पहचान जींद जिले के देवरार निवासी अजमेर के रूप में हुई है। जींद के पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार ने बताया कि अजमेर ने 8 अक्टूबर को राज्य में मतगणना के दिन एक व्हाट्सएप ग्रुप पर जान से मारने की धमकी दी थी। उन्होंने कहा, जैसे ही मामला पुलिस के संज्ञान में आया प्राथमिकी दर्ज कर ली गई और अजमेर को गिरफ्तार कर लिया गया।

हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार और ओलंपिक पहलवान विनेश फोगट ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी और भाजपा उम्मीदवार योगेश कुमार को 6,015 मतों के अंतर से हराकर जुलाना विधानसभा सीट से जीत दर्ज की है।

सहज स्मृति योग

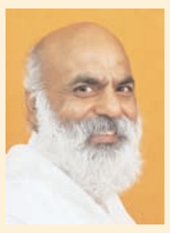

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, ज्ञानयोग,भक्तियोग, कर्मयोग और क्रियायोग, ये चारों योग क्या एज-स्पेसिफिक हैं?

उत्तर: आपका प्रश्न अच्छा है क्योंकि यह जिज्ञासा सब को होती है पर व्यक्त कोई कोई ही करते हैं। नहीं, ऐसा तो नहीं हैं कि किसी वय विशेष (स्पेसिफिक एज) में ही इनमें से कोई योग, साधना का साधन या साध्य बने। किसी भी उम्र में इन चारों में से किसी भी एक योगविधि में योग साधक का रुझान अन्य तीनों विधियों से अधिक हो सकता है, पर होते चारों एक साथ ही हैं क्योंकि, योग तो तत्वतः एक ही है। यदि जीवन के प्रथम पच्चीस वर्षों में ज्ञानयोग में प्राथमिक रुचि रहे, अगले पच्चीस वर्षों में कर्मयोग में और तीसरे पच्चीस वर्षों में क्रियायोग में तथा चौथे पच्चीस वर्षों के आरंभ से जीवन अवधि पूरी होने तक भक्तियोग प्रधान रहे तो आपका जीवन जीने के लिए अधिक सहज रहता है।क्योंकि, प्रारंभ में ज्ञान नहीं होता, अभ्यास नहीं होता और युवावस्था के उपरांत बढ़ती उम्र के साथ शारीरिक शैथिल्य तो आता ही है किंतु, तप और साधना में निरंतरता रहे तो चेतना/धि तो वय के बढ़ने के साथ साथ उत्तरोत्तर प्रखर ही होती जाती है।

दलितों और ओबीसी को 'परेशानी' हुई तो इसका संज्ञान लूंगी : पंकजा मुंडे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

छत्रपति संभाजीनगर/भाषा। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा नेता पंकजा मुंडे ने दलितों और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) से संपर्क साधते हुए शनिवार को कहा कि अगर उन्हें परेशानी हुई तो वह इसका संज्ञान लेंगी।

मुंडे अपने गृह क्षेत्र बीड जिले से लोकसभा चुनाव हार गई थीं। बीड कार्यकर्ता मनोज जरांगे के नेतृत्व में मराठा आरक्षण आंदोलन का केंद्र रहा है। वह वंजारी समुदाय के संत भगवानबाबा की जन्मस्थली सावरगांव घाट पर अपनी वार्षिक दशहरा रैली को संबोधित कर रही थीं। राज्य के कृषि मंत्री और उनके चचेरे भाई धनंजय मुंडे और लक्ष्मण हेक ने भी रैली को संबोधित किया। मुंडे ने समाज में बढ़ती जातिगत फूट पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा, अगर कोई वाहन किसी को टक्कर मारता है तो लोग चालक की जाति पूछते हैं। लोग उस व्यक्ति की जाति जानना चाहते हैं जिसने एक छोटी बच्ची के साथ क्रूरता की और उसे मार डाला। हम ऐसा समाज नहीं चाहते हैं। भाजपा की राष्ट्रीय सचिव ने चेतावनी दी कि यदि राज्य में गरीब, दलित, ओबीसी और अन्य लोग परेशान होंगे तो वह इसका संज्ञान लेंगी।

भारत-चीन सीमा पर संपर्क बढ़ाने के लिए पांच नए पुलों का उद्घाटन

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला ने शनिवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को पहाड़ी राज्य में पांच महत्वपूर्ण सड़क पुलों सहित 75 सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित करने के लिए धन्यवाद दिया।

यहां राजभवन से उद्घाटन समारोह में 'वर्चुअल' माध्यम से भाग लेने के बाद, राज्यपाल ने एक बयान में भारत-चीन सीमा पर संपर्क और रणनीतिक तैयारियों को बढ़ाने में पांच महत्वपूर्ण पुलों के महत्व पर प्रकाश डाला। राष्ट्रीय राजमार्ग-3 (मनाली-सरचू रोड), राष्ट्रीय राजमार्ग-5 (पोवारी-शिपकिला रोड) और राष्ट्रीय राजमार्ग-505 (खाब-सुमदो-काजा-ग्रामफू रोड) पर मुन्नी, भागा, डोगरी, हबसार और शालखर-11 पर पुलों का उद्घाटन किया गया।

पूर्व क्रिकेटर अजय जडेजा जामनगर राजघराने के उत्तराधिकारी घोषित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जामनगर/भाषा। गुजरात में जामनगर के नाम से मशहूर तत्कालीन नवानगर रियासत के महाराजा ने शनिवार को दशहरे के अवसर पर अपने भतीजे और पूर्व क्रिकेटर अजय जडेजा को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया।

जडेजा (53) ने 1992 से 2000 के बीच भारत के लिए 196 वनडे और 15 टेस्ट मैच खेले। वह जामनगर राजघराने से ताल्लुक रखते हैं। जामनगर के महाराजा शत्रुशल्यसिंहजी जडेजा, क्रिकेटर के पिता दौलतसिंहजी जडेजा के चचेरे भाई हैं। दौलतसिंह जडेजा 1971 से 1984 तक जामनगर से तीन बार सांसद रहे। शत्रुशल्यसिंह जडेजा ने एक बयान में घोषणा की, ''आज दशहरे के दिन मैं खुश हूं, क्योंकि अजय जडेजा की बदौलत मेरी एक दुविधा का समाधान मिल गया है, जिन्होंने मेरा उत्तराधिकारी बनना स्वीकार किया है।'' उन्होंने कहा, ''अजय जडेजा श्ररा जामनगर के लोगों की सेवा की जिम्मेदारी लेना वास्तव में यहां के लोगों के लिए एक वरदान है। मैं उनके प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करता हूं।'' महाराजा शत्रुशल्यसिंहजी भी एक क्रिकेटर थे, जिन्होंने 1966-67 में रणजी ट्रॉफी में सौराष्ट्र की कप्तानी की थी और सौराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन के प्रमुख के रूप में कार्य किया था।

जलवायु संबंधी आपात स्थितियां हमारी सामूहिक सुरक्षा के लिए खतरा हैं, सरकारें आंखें मूंद रही हैं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

एक्सेटर (इंग्लैंड)/द कन्वरसेशन। शायद आपकी नजरों से यह छूट गया हो, लेकिन कुछ महीने पहले एक रिपोर्ट प्रकाशित हुई थी जिसमें पड़ताल की गई थी कि ब्रिटेन सरकार ने बड़ी आपात स्थितियों से निपटने के लिए किस तरह से तैयारी की है। इसमें जो पाया गया उसका पूरे देश पर गहरा असर पड़ा है।

यह रिपोर्ट कोविड-19 महामारी पर ब्रिटेन की सार्वजनिक पड़ताल के तहत लिखी गई थी और इसमें बताया गया था कि किस प्रकार यह महामारी एक गैर-दुर्भावनापूर्ण खतरे का उदाहरण है। ये हमारी सामूहिक सुरक्षा के लिए बड़े खतरे हैं जो आतंकवाद या युद्ध जैसे शत्रुतापूर्ण इरादे से नहीं, बल्कि मानवीय भूल, संरचनात्मक विफलता या प्राकृतिक आपदाओं के परिणामस्वरूप उत्पन्न होते हैं। इस मामले में यह एक नया वायरस था जो जानवरों से मनुष्यों में आया और फिर तेजी से फैल गया।

महामारी ने हर चीज को प्रभावित किया। इसका असर इतना गंभीर था कि इसे सरकार ने पूरी प्रणाली में नागरिक आपातकाल का नाम दिया। यह तेजी से फैलता संकट था, जिसने स्वास्थ्य प्रणाली से लेकर आर्थिक स्थिरता और जनता के भरोसे तक, ब्रिटेन की सुरक्षा के कई आयामों को प्रभावित किया। यह द्वितीय विश्व युद्ध के बाद ब्रिटेन का सबसे बड़ा सुरक्षा संकट था। फिर भी इसका सशस्त्र संघर्ष से कोई लेना-देना नहीं था।

जांच में पाया गया कि विभिन्न सरकारों ने महामारी के खतरों को बहुत कम करके आंका। उन्हें रूसी आक्रमण या आतंकवाद जैसे शत्रुतापूर्ण कार्यों से होने वाले सुरक्षा खतरों के समान प्राथमिकता नहीं दी गई। इसके बाद हुई त्रासदी ने साबित कर दिया कि यह कितनी बड़ी गलती थी। जांच में कहा गया कि जब पूरे तंत्र में नागरिक आपात स्थितियों की योजना बनाने और उनका जवाब देने की बात आई, तो ब्रिटेन की सरकार ने अपने नागरिकों को निराश किया, और फिर निष्कर्ष निकाला कि मौलिक सुधार की आवश्यकता थी।

हमने एक नई रिपोर्ट पर काम किया है, जिसमें सुरक्षा के लिए एक और अधिक बड़े गैर-दुर्भावनापूर्ण खतरे- जलवायु परिवर्तन- के साथ चिंताजनक समानताएं पाई गई हैं।

जलवायु जोखिम का बढ़ना : दो हफ्ते पहले तूफान हेलेन फ्लोरिडा में आया और उत्तर की ओर बढ़ गया। दो दिन बाद जब यह टेनेसी में समाप्त हुआ, तब तक 200 से ज्यादा लोग मारे जा चुके थे और अरबों डॉलर का नुकसान हुआ था।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

आयुध पूजा

वेल्लूर स्थित श्रीपुरम स्थित श्रीनारायणी पीठम में नवरात्रि महामहोत्सव का आयोजन किया जिसमें शक्ति अम्मा के नेतृत्व में नवरात्रि महोत्सव के विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान व आयुध पूजा का आयोजन किया। शक्ति अम्मा ने पीठ के विभिन्न वाहनों की पूजा की तथा परिवहन विभाग के लोगों को आशीर्वाद दिया।

रत्नागिरी में संघ की शोभायात्रा के दौरान तनाव

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के रत्नागिरी शहर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शोभायात्रा के दौरान अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्यों श्ररा कथित तौर पर नारे लगाए जाने के बाद तनाव व्याप्त हो गया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। रत्नागिरी पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि कोंकण नगर इलाके में शुक्रवार रात हुई इस घटना के बाद पुलिस ने दो मामले दर्ज किए हैं। उन्होंने बताया, ''हमने शिकायतों के आधार पर दो मामले दर्ज किए हैं। पांच आरोपियों की पहचान कर ली गई है।

मेरे भतीजे पर ''बहुत छोटी-सी घटना'' को लेकर प्राथमिकी दर्ज की गई : दिग्विजय सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर/भाषा। मध्यप्रदेश के गुना जिले में अपने भतीजे के खिलाफ सरकारी काम में बाधा डालने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज होने के बारे में कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह ने शनिवार को विस्तृत टिप्पणी से परहेज करते हुये कहा कि यह मामला ''बहुत छोटी-सी घटना'' को लेकर पंजीबद्ध किया गया।

पुलिस ने बताया कि गुना जिले के राघौगढ़ में सिंह के भतीजे आदित्य सिंह और उनकी गाड़ी के चालक पर सरकारी काम में बाधा डालने के आरोप में शुक्रवार को मामला दर्ज किया गया। राघौगढ़, दिग्विजय सिंह का गृहनगर है। सोशल मीडिया पर राघौगढ़ की घटना का कथित वीडियो प्रसारित हुआ जिसमें देखा जा सकता है कि आदित्य सिंह एक महिला पुलिस अफसर और अन्य सरकारी कर्मचारियों से बहस कर रहे हैं। इस दौरान दिग्विजय सिंह के भतीजे सिगरेट पीते भी नजर आ रहे हैं।

अपने भतीजे के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को लेकर दिग्विजय सिंह ने इंदौर में संवाददाताओं से कहा,''मैंने इस मामले के बारे में पता लगाया है। यह एक बहुत छोटी-सी घटना रही है। वह (सिंह का भतीजा) कहीं जा रहा था। प्रशासन ने सड़क पर एक नुक्कड़ नाटक आयोजित किया था जिसकी जानकारी उसे नहीं थी। वहां पुलिस कर्मियों से उसका थोड़ा-सा विवाद हुआ।'' राज्यसभा सदस्य ने कहा,''पुलिस अपना काम करेगी। इस बारे में हमें कुछ नहीं कहना है। बाकी जो कुछ होगा, वह हम देखेंगे।'' सिंह ने भोपाल के एक कारखाने से हाल ही में 1,814 करोड़ रुपए के अनुमानित मूल्य का 907.09 किलोग्राम मेफेड्रोन जब्त होने पर प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के काम-काज को लेकर सवाल उठाए। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि राजधानी भोपाल में प्रदेश सरकार की नाक के नीचे यह कारखाना पकड़ा जाना बहुत बड़ा कलंक है। सिंह ने हाल के कुछ घटनाक्रमों के हवाले से दावा किया कि सूबे में सत्तारूढ़ भाजपा के विधायक इस पार्टी की ''अंदरूनी लड़ाई'' के चलते अब खुलकर नाराजगी जता रहे हैं।

उन्होंने कहा,''जिन भाजपा विधायकों को राज्य सरकार में मंत्री पद नहीं मिला, वे नाराज हैं।'' सिंह ने एक सवाल पर कहा,''क्षत्रिय परिवारों में शस्त्र पूजन की परंपरा चली आ रही है। लेकिन अब मैं हमेशा क्षत्रियों से कहता हूं कि आज का सबसे बड़ा शस्त्र तलवार नहीं, बल्कि कलम है, इसलिए कलम की पूजा करो।''

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
उपलब्ध

FLATS FOR SALE
DNR HIGHLINE
@ OKALIPURAM
near LULU Mall
Rajajinagar
Centre of the City
3 & 4 Bedroom
FLATS with 7 Star
Luxurious Amenities
Only Few Flats
available for Sale
Contact : 9844027560

भाजपा को हराने के लिए कांग्रेस को सबको साथ लेकर चलना होगा : ओवैसी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि 'धर्मनिरपेक्ष' पार्टियां चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)-विरोधी मतों में सेंध लगाने के लिए उन पर (ओवैसी पर) आरोप लगाती थीं, लेकिन हरियाणा में एआईएमआईएम के उम्मीदवारों को न उतारने के बावजूद कांग्रेस कैसे हार गई? ओवैसी ने कांग्रेस पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा को हराने के लिए 'पुरानी पार्टी' को सभी को साथ लेकर चलना होगा।

तेलंगाना के विकाराबाद में शुक्रवार की रात एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, ''उन्होंने (भाजपा) हरियाणा कैसे जीत लिया? मैं वहां नहीं था। वरना वे 'बी टीम' कहते... वे वहां हार गए। अब आप ही बताइए, वे किसके कारण हारे?'' ओवैसी ने कहा, ''मैं पुरानी पार्टी (कांग्रेस) से कहना चाहूंगा कि मेरी बात समझिए, मोदी को हराने के लिए सबको साथ लेकर चलना होगा। आप अकेले कुछ नहीं कर पाओगे।'' भाजपा ने हरियाणा में सत्ता-विरोधी लहर को मात देते हुए लगातार तीसरी बार शानदार जीत हासिल की और कांग्रेस की वापसी की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। हरियाणा में भाजपा ने 90 विधानसभा सीट में से 48 सीट जीतीं, जो सरकार बनाने के लिए 46 के जादुई आंकड़े से कहीं अधिक है।

कर्नाटक की समृद्ध संस्कृति के प्रदर्शन के साथ ऐतिहासिक 'मैसूरु दशहरा' सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। विजया दशमी के अवसर पर शनिवार को महलों के शहर मैसुरू में शानदार जुलूस निकाले जाने के साथ ही 10 दिनों तक चलने वाले विश्व विख्यात 'मैसूरु दशहरा' उत्सव का भव्य समापन हो गया। 'नाड हब्बा' (राजकीय उत्सव) के रूप में मनाया जाने वाला दशहरा या 'शरण नवरात्रि' उत्सव इस वर्ष भव्य रहा, जिसमें कर्नाटक की समृद्ध संस्कृति और परंपराओं की झलक देखने को मिली तथा राजसी शान-शौकत और वैभव की यादें ताजा हो गईं। हजारों लोगों ने 'जम्बू सवारी' देखी, जिसमें 'अभिमन्यु' (एक हाथी) के नेतृत्व में एक दर्जन सजे-धजे हाथियों का जुलूस निकाला गया और वे मैसूरु एवं उसके (पूर्व) राजघराने की अधिष्ठात्री देवी चामुंडेश्वरी की मूर्ति को 750 किलोग्राम के हौदे या 'अम्बरी' पर रखकर ले गये। भव्य शोभायात्रा की शुरुआत मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार द्वारा अंबा विलास महल के बलराम द्वार पर नंदी ध्वज' की पूजा-अर्चना के साथ हुई। यह पूजा शुभ मकर लग्न में दोपहर एक बजकर 41 मिनट से दो बजकर 10 मिनट तक चली।

नंदी ध्वज की पूजा करने के बाद सिद्दरामय्या ने विजया दशमी के अवसर पर लोगों को बधाई दी। इस शोभयात्रा में कई कलाकार और सांस्कृतिक संगठन शामिल थे तथा विभिन्न जिलों की झांकियां भी प्रदर्शित की गयीं। उन झांकियों में क्षेत्रीय संस्कृति एवं धरोहर को दिखाया गया। यह शोभयात्रा पांच किलोमीटर दूर बन्निमंडपम में समाप्त हुई। बारिश के चलते कार्यक्रम में जरूर थोड़ी बाधा आई लेकर लोगोंका उत्साह देखने लायक रहा। लोककलाकारों ने बारिश में अपनी सुन्दर प्रस्तुति दी। सरकारी विभागों की झांकियां भी शोभयात्रा का हिस्सा रहीं और उन झांकियों में विभिन्न योजनाएं या कार्यक्रम और सामाजिक संदेशों को दर्शाया गया। शोभयात्रा के मार्ग में बड़ी संख्या में लोग खड़े थे।

मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री एवं अन्य गणमान्य लोगों ने शाम करीब पांच बजे हौदे में स्थापित चामुंडेश्वरी देवी पर फूल चढ़ाकर शोभायात्रा को विदा किया। हाथी अभिमन्यु हौदी में स्थापित देवी की प्रतिमा को लेकर विशेष रूप से तैयार मंच पर पहुंचा। दशहरा शोभायात्रा विजया दशमी के दिन निकाली जाती है जो बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है।

दशहरा विजयनगर साम्राज्य के शासकों द्वारा मनाया जाता था और यह परंपरा मैसूर के वाडियारों को विरासत में मिली थी। मैसूर में उत्सव की शुरुआत सबसे पहले राजा वाडियार प्रथम ने 1610 में की थी। लेकिन 1971 में 'प्रिवी पर्स' समाप्त किए जाने और तत्कालीन शासकों के विशेषाधिकारों को खत्म कर दिये जाने के बाद यह परिवार का निजी कार्यक्रम बन गया। बाद में स्थानीय लोगों की पहल पर साधारण रूप से दशहरा मनाया जाता था परंतु बाद में राज्य सरकार आगे आयी और 1975 में तत्कालीन मुख्यमंत्री डी देवराज उर्स ने उसे भव्य रूप में बहाल किया।

कर हस्तांतरण में कर्नाटक के साथ हुआ अन्याय, हम इसके खिलाफ लड़ेंगे : शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने शनिवार को आरोप लगाया कि केंद्र ने कर हस्तांतरण में राज्य को कम धनराशि आवंटित करके अन्याय किया है। उन्होंने कहा कि राज्य की कांग्रेस सरकार इसके खिलाफ लड़ेगी। कर्नाटक की कांग्रेस इकाई के अध्यक्ष शिवकुमार ने इस मुद्दे पर चुप्पी साधने के लिए राज्य के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसदों और केंद्रीय मंत्रियों पर हमला बोला और इसे ''शर्मनाक'' करार दिया। उन्होंने कहा, कर्नाटक के साथ अन्याय हुआ है। उन्होंने उत्तर प्रदेश और बिहार को अधिक (धन) दिया है। हमें आंध्र प्रदेश से भी कम दिया गया, जो कर में ज्यादा योगदान नहीं करता है। हम आने वाले दिनों में इसके खिलाफ लड़ेंगे और विरोध करेंगे। शिवकुमार ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा, ''हम अपने कर, अपने अधिकार के लिए लड़ने के लिए एक कार्यक्रम तैयार करेंगे।'' उन्होंने कहा, ''भाजपा सांसदों और केंद्रीय मंत्रियों ने आवाज क्यों नहीं उठाई? वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण सहित राज्य से पांच केंद्रीय मंत्री होने के बावजूद, वे चुप हैं, जबकि राज्य के साथ अन्याय हो रहा है। यह शर्मनाक है।'' भाजपा ने राज्यों की जनसंख्या को करों के हस्तांतरण के लिए मानदंड के रूप में इस्तेमाल किए जाने तथा मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन)(संप्रग)सरकार के कार्यकाल से संबंधित आंकड़ों का हवाला दिया है। इस बारे में पूछे जाने पर शिवकुमार ने कहा, आइए विधानसभा में इन सब पर चर्चा करें....अभी उन्हें हमारे साथ विरोध में शामिल होने दें।

केंद्र सरकार ने बृहस्पतिवार को राज्य सरकारों को 1,78,173 करोड़ रुपये का कर हस्तांतरण किया, जिसमें अक्टूबर 2024 के लिए देय नियमित किस्त के अलावा 89,086.50 करोड़ रुपये की एक अग्रिम किस्त भी शामिल है। अक्टूबर 2024 के लिए केंद्रीय करों और शुल्कों की शुद्ध आय के राज्यवार वितरण में कर्नाटक को 6,498 करोड़ रुपये मिले।

राज्य सरकार द्वारा दशहरे पर दिये गए विज्ञापनों में इस्तेमाल किए गए ''बुरी ताकतों'' शब्द की विपक्ष ने आलोचना की है। इस बारे में पूछे जाने पर शिवकुमार ने कहा, हमने जो देखा है और जो जानकारी हमारे पास है, उसके आधार पर हमने लोगों के सामने अपनी भावनाएं व्यक्त करने की कोशिश की है। मैं अभी इतना ही कह सकता हूं। बाकी बातें विधानसभा में चर्चा करेंगे।

कांग्रेस हरियाणा विधानसभा चुनाव नतीजों का कर रही विश्लेषण, बूथवार रिपोर्ट मांगी गई : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कलबुर्गी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को कहा कि पार्टी हरियाणा विधानसभा चुनाव नतीजों का विश्लेषण कर रही है और हार के कारणों का पता लगाने के लिए बूथवार रिपोर्ट मांगी है। खरगे ने कहा कि उनकी पार्टी आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए हरियाणा में हार के कारणों का पता लगाने पर विशेष ध्यान दे रही है। साथ ही उन्होंने इस संभावना से इनकार किया कि उत्तरी राज्य के नतीजों का असर आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव पर पड़ेगा।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''हम विश्लेषण कर रहे हैं। राहुल गांधी और अन्य नेताओं के साथ मैंने कुछ दिन पहले बैठक की थी और हमें बूथवार रिपोर्ट मिल रही है। हमारे कार्यकर्ताओं के स्तर पर क्या गलती हुई, हमारे नेताओं की भूमिका क्या है और क्या हुआ, इन सब पर हमें बूथवार रिपोर्ट मिल रही है। इसके आधार पर हम विश्लेषण करेंगे और आगे की कार्रवाई के बारे में फैसला लेंगे।''

खरगे ने कलबुर्गी में संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि पार्टी हरियाणा चुनाव के नतीजों पर विशेष ध्यान दे रही है, क्योंकि पूरे देश की राय थी कि हरियाणा में कांग्रेस जीतेगी और संवाददाताओं या समाचार चैनलों सहित किसी ने भी यह नहीं कहा कि पार्टी हारने वाली है और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)जीतेगी। उन्होंने कहा, ''क्या हुआ, हम इसका विश्लेषण कर रहे हैं, उसके बाद हम तय करेंगे कि क्या करना है। हमें आने वाले दिनों में कई चुनावों का सामना करना है, हम निश्चित रूप से इसे (आगामी चुनावों को) ध्यान में रखते हुए इस पर विचार करेंगे।''

भाजपा को गत मंगलवार को घोषित विधानसभा चुनाव नतीजों में हरियाणा में लगातार तीसरी बार सरकार बनाने को लेकर बहुमत हासिल किया। हरियाणा चुनाव के नतीजों का महाराष्ट्र में होने वाले विधानसभा चुनाव पर पड़ने के असर के बारे में पूछे जाने पर कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा,एक चुनाव परिणाम का दूसरे राज्य के चुनाव पर कोई असर नहीं पड़ेगा, लेकिन सवाल यह है कि जनता हमारे पक्ष में होने के बावजूद परिणाम ऐसे क्यों रहे?

कावेरी के पांचवे चरण से पचास लाख बेंगलूरुवासी होंगे लाभान्वित : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उपमुख्यमंत्री और बेंगलूरु विकास मंत्री डी.के. शिवकुमार ने शनिवार को कहा कि कावेरी चरण-5 परियोजना, जो 16 अक्टूबर से चालू हो जाएगी, से बेंगलूरु के 50 लाख लोगों को लाभ होगा। अपने सदाशिवनगर निवास पर पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, 16 अक्टूबर एक खास दिन है क्योंकि कावेरी के पाचवां चरण परियोजना साकार हो रही है। इस परियोजना का उद्घाटन थोरेकदनहल्ली में किया जाएगा। इस परियोजना से करीब 50 लाख लोगों को पानी की आपूर्ति में मदद मिलेगी।

सरकारी विज्ञापन की भाजपा द्वारा आलोचना के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, हमें जो जानकारी मिली है, हमने उसे अपने तरीके से बता दिया है। इस साल मैसूरु दशहरा बहुत धूमधाम से मनाया जा रहा है।

देवी चामुंडेश्वरी की कृपा से राज्य में इस साल अच्छी बारिश हुई है। इस साल राज्य के सभी बांध भरे हुए हैं। मुझे खुशी है कि तुंगभद्रा जलाशय फिर से लबालब भर गया है, क्योंकि हमने क्षतिग्रस्त क्रेस्ट गेट को केवल छह दिनों में ठीक कर दिया है। उन्होंने कहा, मैसूरु दशहरा में भारी भीड़ को देखते हुए दशहरा की रोशनी 10-12 दिन बढ़ा दी जाएगी।

इस दशहरा की रोशनी उस रोशनी से बेहतर है जो मैंने ऊर्जा मंत्री के तौर पर अपने कार्यकाल के दौरान की थी। 1500 ड्रोन से जुड़ा ड्रोन शो एक बड़ा आकर्षण है। इलियाराजा और एआर रहमान के कार्यक्रमों में 2.5 लाख से ज़्यादा लोग जुटे थे। उन्होंने कहा, राज्य के विभिन्न हिस्सों में दशहरा मनाया जा रहा है। मैं कोडागु में दशहरा की झांकी का आकार देखकर आश्चर्यचकित था, यह मैसूरु से भी अधिक भव्य है।

बेलतंगड़ी में आयुध पूजा के दौरान 29 वर्षीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर का निधन

मंगलूरु। जिले के बेलतंगड़ी में शुक्रवार को आयुध पूजा के दौरान 29 वर्षीय एक साफ्टवेयर इंजीनियर की हृदयघात से मौत हो गयी । पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि इंजीनियर की पहचान आदित्य भट्ट (29) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को अपने आवास पर आयोजित आयुध पूजा में आदित्य सक्रिय रूप से हिस्सा लिया, लेकिन कुछ देर बाद उसे सीने में दर्द की शिकायत हुई, जिसके बाद उसे हृदयघात आया और जिसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि आदित्य एक प्रतिभाशाली सॉफ्टवेयर इंजीनियर था और जर्मनी में अपना स्टार्टअप चला रहे था।

तमिलनाडु ट्रेन हादसा : कावरापेट्टई में दुर्घटना स्थल पर मरम्मत कार्य तेजी से जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई के समीप कावरापेट्टई में मैसूरू-दरभंगा बागमती ट्रेन के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद रेलवे लाइन की मरम्मत का काम तेज कर दिया गया है और चार लाइन के इस सेक्शन पर 13 अक्टूबर की सुबह तक रेल संचालन बहाल हो जाएगा। रेलवे ने शनिवार को यह जानकारी दी। रेलवे ने एक्सप्रेस ट्रेन के मालगाडी से टकराने को ''दुर्भाग्यपूर्ण घटना'' बताते हुए कहा कि कावरापेट्टई की चार लाइन में से अप लाइन और अप लूप लाइन के आज रात तक बहाल होने की उम्मीद है जबकि बाकी की दो लाइन रविवार सुबह तक बहाल कर दी जाएंगी।

दक्षिणी रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी एम. सेंथामिल सेल्वन ने कहा, पटरियों, सिग्नल और अन्य परिचालन पहलुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मरम्मत के प्रयास तेजी से किए जा रहे हैं। उन्होंने यहां एक विज्ञप्ति में कहा कि दक्षिण रेलवे स्थिति को सावधानीपूर्वक संभालने के लिए सभी संबंधित प्राधिकारियों और एजेंसियों के साथ मिलकर काम कर रहा है। उन्होंने बताया कि जमीनी स्तर पर 500 से अधिक कर्मी बचाव प्रयासों में शामिल हैं। उन्होंने बताया कि कार्य के सुचारू और त्वरित निष्पादन को सुनिश्चित करने के लिए, दक्षिणी रेलवे ने पटरी से उतरे कोच को फिर से पटरी पर लाने के लिए बड़ी मशीनों को लगाया है। अतिरिक्त मंडल चिकित्सा अधिकारियों, मुख्य नर्सिंग अधीक्षक, अस्पताल सहायकों, फार्मासिस्ट और अन्य पैरामेडिकल कर्मचारियों के नेतृत्व में पांच चिकित्सा राहत दल घटनास्थल पर मौजूद थे। कुछ डिब्बों को फिर से पटरी पर लाया गया जबकि अन्य डिब्बे जिन्हें पटरी पर नहीं लाया जा सका, उन्हें पटरी की मरम्मत के लिए मुख्य लाइन से हटा दिया गया है।

भारी बारिश से निपटने के लिए एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं : तमिलनाडु सरकार

चेन्नई/दक्षिण भारत। तमिलनाडु में मौसम विभाग द्वारा अगले सप्ताह भारी बारिश की भविष्यवाणी को देखते हुए किसी भी स्थिति से निपटने के लिए सभी एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं। तमिलनाडु सरकार के मंत्री के के एस एस आर रामचंद्रन ने शनिवार को यह जानकारी दी। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री रामचंद्रन ने बताया कि यदि किसी विशेष क्षेत्र में 10 सेमी या 20 सेमी वर्षा होती है, तो वहां राहत प्रयासों को शुरू करना हमारे लिए एक चुनौती होता है।

मुख्यमंत्री एम के स्टालिन के निर्देश पर सरकार स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सभी आवश्यक निवारक उपाय कर रही है क्योंकि मौसम विभाग ने 15, 16, 17 और 18 अक्टूबर को भारी बारिश की भविष्यवाणी की है। विशेष रूप से चेन्नई और आसपास के जिलों में भारी बारिश होने की आशंका है। अधिकारी स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं और स्थानीय अधिकारियों के साथ लगातार जानकारी साझा कर रहे है। उन्होंने बताया, पिछली बार जब भारी बारिश हुई थी, तो निचले इलाकों में लोगों को दूध, पानी और भोजन के पैकेट उपलब्ध कराने में कठिनाई हुई थी। अब हम सभी कदम पहले से ही उठा रहे हैं और अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे उन स्थानों पर पहले से ही भंडारण कर लें जहां भारी बारिश का अनुमान है। एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा, यदि विभिन्न स्थानों पर हल्की बारिश होती है, तो हम स्थिति को संभाल सकते हैं और पर्याप्त उपाय कर सकते हैं। हालांकि, यदि किसी विशेष क्षेत्र में 10 सेमी या 20 सेमी वर्षा होती है, तो यह हमारे लिए एक चुनौती है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 5-6 दिनों के दौरान दक्षिणी भीतरी कर्नाटक, केरल, माहे और तमिलनाडु में भारी बारिश जारी रहने की आशंका है। मौसम विभाग के अनुसार 14 से 16 अक्टूबर के बीच तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में कुछ स्थानों पर अत्याधिक भारी बारिश होने की आशंका है।

कर्नाटक में अवैध रूप से रहने के आरोप में आठ बांग्लादेशी गिरफ्तार

उडुप्पी। जिले में अवैध रूप से रह रहे आठ बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। वे पिछले तीन साल से जिले के हुदे गांव में बिना वैध पासपोर्ट या वीजा के रह रहे थे। उडुपी के पुलिस अधीक्षक अरुण के ने बताया कि यह गिरफ्तारी तब हुई, जब मोहम्मद मानिक नामक एक आरोपी ने फर्जी पासपोर्ट का इस्तेमाल कर मंगलुरु हवाई अड्डे से दुबई भागने की कोशिश की।

उन्होंने बताया कि आव्रजन अधिकारियों के संदेह पर उसे पड़ोसी दक्षिण कन्नड़ जिले के बाजपे हवाई अड्डे पर पकड़ा गया। उन्होंने कहा, पूछताछ करने पर मानिक ने खुलासा किया कि हुदे गांव में उसके साथ सात अन्य बांग्लादेशी नागरिक अवैध रूप से रह रहे थे। यह जानकारी उडुपी पुलिस को दी गई, जिसके बाद पुलिस ने इलाके में छापेमारी की। पुलिस ने शुक्रवार को सात व्यक्तियों को हिरासत में लिया और उनके बारे में विस्तृत जांच शुरू की। जांच के दौरान पता चला कि आरोपियों के पास फर्जी आधार कार्ड थे। अरुण ने बताया कि यह पता लगाने के लिए जांच की जा रही है कि आरोपियों ने ये फर्जी आधार कार्ड कैसे हासिल किए।

समाज में भेद करने वाले भाव समाप्त करने होंगे : भैय्याजी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के पूर्व सरकार्यवाह सुरेश भैय्याजी जोशी ने समाज में भेद करने वाले भाव मटिाने का आह्वान करते हुए शनिवार को कहा कि कि सबके मंगल की कामना करने वाले हम किसी में भेद कैसे कर सकते हैं? वे यहां झोटवाड़ा में विजया दशमी उत्सव को संबोधित कर रहे थे। एक बयान के अनुसार उन्होंने कहा, 'व्यक्ति को जन्म के आधार पर विभाजित नहीं किया जा सकता। जाति का निर्धारण जन्म के आधार पर हो रहा है। पर क्या कोई बता सकता है कि हरिद्वार किस जाति का है? क्या बता सकता है कि 12 ज्योतिर्लिंग किस जाति के हैं? क्या बता सकते हैं, देश के कोने-कोने में स्थित 51 शक्तिपीठ किसी जाति के हैं?' उन्होंने कहा, 'सबके मंगल की कामना करने वाले किसी में भेद कैसे कर सकते हैं। ये भेद करने वाले भाव खत्म करने होंगे। तभी हिंदू शक्तिशाली होगा।' भैय्याजी ने कहा, हमारे ही देश को स्वच्छ रखने के लिए अभियान चलाना पड़ता है। देश के प्रधानमंत्री अभियान चलाते हैं। हमें अपने कर्तव्य पर चर्चा करनी चाहिए। हमेशा सरकार पर निर्भर होना सही नहीं है। समाज को आगे बढ़ना है तो हर महिला को मां के रूप में देखना होगा।

उन्होंने कहा, आज के रावण कौन, कौरव कौन। भारत को विश्वगुरु बनना है। नियति में है तो उसके लिए काम करें, ये रावण का पुतला जलाने से कुछ नहीं होगा। इससे पहले जोशी और पैरालंपिक पदक विजेता मोना अग्रवाल ने शस्त्र पूजन कर कार्यक्रम की शुरुआत की। कार्यक्रम के दौरान आरएसएस कार्यकर्ताओं ने शारीरिक व्यायाम का प्रदर्शन भी किया। पथ संचलन के दौरान विभिन्न मोहल्ला विकास समितियों और सामाजिक संगठनों की ओर से स्वयंसेवकों के पथ संचलन पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया।

जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित समस्याओं का हो प्राथमिकता से निस्तारण : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को भरतपुर जिला मुख्यालय स्थित सर्किट हाउस में जनसुनवाई कर आमजन के अभाव अभियोग सुने तथा मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को उनके त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आमजन को राहत पहुंचाने वाली केंद्र और राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं का लोगों को लाभ पहुंचाने में किसी भी प्रकार की कोताही नहीं बरती जाए। उन्होंने कहा कि जन समुदाय की मूलभूत आवश्यकताओं संबंधी समस्याओं का भी प्राथमिकता से निराकरण किया जाए। शर्मा ने कहा कि व्यक्तिगत लाभ की योजनाओं तथा सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से कोई पात्र व्यक्ति वंचित नही रहे।

मुख्यमंत्री ने जन सुनवाई के दौरान संवेदनशीलता दिखाते हुए दिव्यांग शिक्षक विजयसिंह के पास पहुंचकर उनकी परिवेदना सुनी तथा उनके स्थानांतरण सम्बन्धी प्रार्थना पत्र पर उचित कार्यवाही के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार अंतिम पंक्ति में खड़े समाज के वंचित वर्ग को मुख्यधारा में लाने के लिए संकल्पित होकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सबका साथ सबका विकास की भावना से ही विकसित राजस्थान का संकल्प साकार होगा। इस दौरान जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म, विधायक डॉ. शैलेश सिंह, बहादुर सिंह कोली एवं नौक्षम चौधरी सहित विभिन्न प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

इस दौरान मुख्यमंत्री शर्मा ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि कलक्टर एवं उपखण्ड स्तर पर नियमित रूप से जनसुनवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं, ताकि आमजन की छोटी से छोटी समस्या का भी समाधान हो सके। साथ ही, अधिकारियों को राजस्व प्रकरणों का मौके पर ही सुनवाई कर तुरंत निस्तारण के लिए निर्देशित किया है, ताकि लंबित प्रकरणों में कमी लाने के साथ ही परिवादियों को राहत प्रदान की जा सके। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार बजट घोषणाओं को धरातल पर लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है और इनकी क्रियान्विति के संबंध में नियमित समीक्षा की जा रही है।

सिंदूर खेला

बंगाली महिलाएं शनिवार को जयपुर में दुर्गा बाड़ी में दुर्गा पूजा समारोह के समापन के अवसर पर 'सिंदूर खेला' के दौरान एक-दूसरे पर सिंदूर लगाती हुई।

जयपुर में नाबालिग से दुष्कर्म के आरोप में मामला दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर में एक युवक के खिलाफ एक नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म करने का मामला दर्ज किया गया है। आरोपी ने पीड़िता को मेट्रो स्टेशन से धक्का दे दिया जिससे उसकी रीढ़ की हड्डी में चोट लग गयी । पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि पीड़िता के पिता ने इस बारे में जयपुर मेट्रो स्टेशन थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

उन्होंने बताया कि शिकायत में कहा गया है कि आरोपी कुणाल (22) ने 25 अगस्त को लड़की को एक होटल में ले गया जहां उसके साथ कथित रूप से दुष्कर्म किया। पुलिस ने बताया कि एक महीने के बाद 27 सितंबर को आरोपी ने पीड़िता को न्यू आतिश मार्केट मेट्रो स्टेशन पर मिलने के लिए बुलाया। उन्होंने कहा यहां झगड़े के बाद आरोपी ने लड़की को स्टेशन से धक्का दे दिया जिससे उसकी रीढ़ की हड्डी में चोट लग गई। थानाधिकारी अजयकांत रतूड़ी ने बताया, शुक्रवार को मामला दर्ज किया गया है। हमने 27 सितंबर की मेट्रो स्टेशन की सीसीटीवी फुटेज मांगी है। पीड़िता का फिलहाल राजकीय सवाई मान सिंह (एसएमएस) अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने बताया कि लड़की यहां नीट (राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा) की तैयारी कर रही थी, जबकि आरोपी जोधपुर में प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहा है। दोनों पिछले पांच साल से एक-दूसरे को जानते थे।

जनहितार्थ कार्यों में किसी भी प्रकार की विधि विरुद्ध कार्यवाही को नहीं किया जाएगा बर्दाश्त : सोनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पटवारियों द्वारा पैसे लेकर काम करने की शिकायत से संबंध में प्रकाशित समाचार (शीर्षक-'भ्रष्टाचार की मुहर-भ्रष्टाचार शिष्टाचार बना') पर जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने संज्ञान लिया है। पूरे मामले की जांच के लिए अतिरिक्त जिला कलक्टर (चतुर्थ) के अधीन एक समिति का गठन किया गया है जो कि प्रकरण की जांच कर रिपोर्ट जिला कलक्टर, जयपुर के समक्ष प्रस्तुत करेगी। वहीं, प्रकरण में जिला- जयपुर, जयपुर ग्रामीण एवं दूदू के संबंधित पटवारियों की भूमिका को लेकर तहसीलदार से तथ्यात्मक जांच रिपोर्ट और संबंधित पत्रावली तलब की गई है। साथ ही संबंधित पटवारियों को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण भी मांगा गया है।

जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने जांच में संबंधित पटवारियों पर आरोप सिद्ध होने की स्थिति में आरोपी पटवारी के विरुद्ध सख्त कार्रवाई अमल में लाने के लिए निर्देशित किया है। जिला प्रशासन के स्तर से जनहितार्थ कार्यों में किसी भी प्रकार की अवांछित और विधि विरुद्ध कार्यवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पटवारियों द्वारा पैसे लेकर काम करने की शिकायत से संबंध में प्रकाशित समाचार (शीर्षक-'भ्रष्टाचार की मुहर-भ्रष्टाचार शिष्टाचार बना') पर जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने संज्ञान लिया है। पूरे मामले की जांच के लिए अतिरिक्त जिला कलक्टर (चतुर्थ) के अधीन एक समिति का गठन किया गया है जो कि प्रकरण की जांच कर रिपोर्ट जिला कलक्टर, जयपुर के समक्ष प्रस्तुत करेगी। वहीं, प्रकरण में जिला- जयपुर, जयपुर ग्रामीण एवं दूदू के संबंधित पटवारियों की भूमिका को लेकर तहसीलदार से तथ्यात्मक जांच रिपोर्ट और संबंधित पत्रावली तलब की गई है। साथ ही संबंधित पटवारियों को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण भी मांगा गया है। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने जांच में संबंधित पटवारियों पर आरोप सिद्ध होने की स्थिति में आरोपी पटवारी के विरुद्ध सख्त कार्रवाई अमल में लाने के लिए निर्देशित किया है। जिला प्रशासन के स्तर से जनहितार्थ कार्यों में किसी भी प्रकार की अवांछित और विधि विरुद्ध कार्यवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

भरतपुर के पर्यटन स्थलों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाएंगे: मुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने दो दिवसीय भरतपुर दौरे के दूसरे दिन शनिवार को सुबह केवलादेव घना राष्ट्रीय उद्यान का भ्रमण कर निरीक्षण किया। उन्होंने उद्यान के मुख्य द्वार से पक्षी व्यू प्वाइंट तक पैदल भ्रमण कर संपूर्ण क्षेत्र का अवलोकन किया तथा बारिश से लबालब हुई झीलों को देखकर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने यहां विभिन्न प्रजातियों के पक्षियों को दूरबीन से निहारा। इस दौरान शर्मा ने शहर के प्रबुद्ध जनों एवं मीडिया कर्मियों से चाय पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि भरतपुर के पर्यटन स्थलों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने एवं प्रमोट करने के लिए राज्य सरकार प्रयासरत है, ताकि आगरा एवं जयपुर आने वाले पर्यटक भरतपुर में ठहराव करें तथा यहां की ऐतिहासिक विरासत एवं धार्मिक स्थलों को देख सकें।

मुख्यमंत्री ने उद्यान के मुख्य द्वार से केवलादेव मंदिर जाने वाली सड़क के मरम्मत कार्य को गुणवत्ता के साथ समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि घना में आने वाले पर्यटकों के लिए मुख्य द्वार से बैरियर पॉइंट तक ओपन टैंकर की व्यवस्था कर आवागमन की सुविधा प्रदान की जाए तथा इलेक्ट्रिक वाहन से पर्यटकों के लिए पिक एंड ड्रॉप का प्रावधान रखा जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को केवलादेव सहित भरतपुर जिले के सभी पर्यटन स्थलों की विस्तृत जानकारी की समावेशित ब्रोशर पुस्तिका तथा लघु फिल्म तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने पर्यटन स्थलों के सौंदर्यीकरण कार्य को समय पर पूरा करने के भी निर्देश दिए। इस दौरान जिला कलेक्टर डॉ अमित यादव तथा केवलादेव घना राष्ट्रीय उद्यान के डीएफओ मानस सिंह सहित विभिन्न प्रशासनिक अधिकारी, मीडियाकर्मी एवं प्रबुद्ध जन उपस्थित रहे।

राइजिंग राजस्थान सम्मिट से प्रदेश के औद्योगिक विकास के साथ रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे : पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संसदीय कार्य, विधि एवं न्याय मंत्री जोगाराम पटेल ने शनिवार को जोधपुर सर्किट हाउस में जनसुनवाई कर आमजन की समस्याएं सुनी और संबंधित अधिकारियों को त्वरित आवश्यक कार्यवाही कर आमजन राहत प्रदान करने के निर्देश दिए। पटेल ने कहा कि प्रदेश सरकार माननीय मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के कुशल एवं संवेदनशील नेतृत्व में विकसित एवं अग्रणी राजस्थान के ध्येय को साकार करने के लिए अनवरत कार्य कर रही है। उन्होंने कहा राइजिंग राजस्थान सम्मिट से प्रदेश के औद्योगिक विकास के साथ रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

पटेल ने कहा प्रदेश सरकार का लक्ष्य आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान करना है। उन्होंने कहा अधिकारी जन सरोकार से जुड़े कार्य नियत समय में संपादित करें।आमजन की समस्याओं के निस्तारण के लिए सरकार द्वारा नियमित जनसुनवाई की जा रही है। उन्होंने कहा जनसुनवाई में प्राप्त परिवेदनाओं का नियमानुसार शीघ्र निस्तारण करके आमजन को राहत प्रदान की जा रही है। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा अधिकारी आमजन से संवाद रखकर जनहितैषी कार्यों को प्राथमिकता के साथ संपादित करें। सभी अधिकारी अपने विभागीय कार्यालयों की नियमित मॉनिटरिंग एवं औचक निरीक्षण करें। पटेल ने जोधपुर एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए आमजन की समस्याओं को सुना और विश्वास दिलाया की समस्याओं का निस्तारण प्राथमिकता के साथ त्वरित रूप किया जाएगा। जनसुनवाई में शिक्षा, सड़क,चिकित्सा, विद्युत,पेयजल आपूर्ति सहित अन्य आमजन से संबंधित समस्याओं पर सुनवाई की।

एसीबी की कार्रवाई की भनक लगने पर दो पुलिस कांस्टेबल रिश्वत राशि के साथ फरार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जोधपुर में पुलिस के दो कांस्टेबल भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की कार्रवाई की भनक लगने पर 15 हजार रुपये की कथित रिश्वत राशि के साथ फरार हो गए जिनकी तलाश की जा रही है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। ब्यूरो के महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने यहां एक बयान में बताया कि जोधपुर के झंवर थाने में तैनात कांस्टेबल रामचन्द्र एवं श्यामलाल द्वारा परिवादी से 30 हजार रुपये रिश्वत मांगने की शिकायत पर शुक्रवार को पकड़ने की कार्रवाई की जा रही थी।

उन्होंने कहा कि किसी तरह आरोपियों को एसीबी की कार्रवाई की भनक लग गई और वे 15 हजार रुपये की रिश्वत राशि के साथ मौके से फरार हो गए। एसीबी के अनुसार, परिवादी द्वारा शिकायत दर्ज कराई गई कि उसके विरुद्ध की गई शिकायत पर मुकदमा दर्ज नहीं करने एवं मदद करने की एवज में आरोपी कांस्टेबल रामचन्द्र एवं श्यामलाल द्वारा 30 हजार रुपये रिश्वत की मांग कर परेशान किया जा रहा है। ब्यूरो की टीम ने शिकायत का सत्यापन किया। इसके बाद ब्यूरो ने शुक्रवार को जाल बिछाकर आरोपियों को रंगे हाथ पकड़ने की कार्रवाई शुरू की। इस दौरान आरोपी कांस्टेबल रामचंद्र ने परिवादी से 15 हजार रुपये की कथित रिश्वत ली। मेहरड़ा ने कहा कि आरोपी रामचन्द्र एवं श्यामलाल को एसीबी की कार्रवाई की भनक लग गई और वे रिश्वत राशि के साथ मौके से फरार हो गये लेकिन दोनों की तलाश की जा रही है।

स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजित करने में छोटे व स्थानीय निवेश की अहम भूमिका : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार राजस्थान को एक विकसित राज्य बनाने के लक्ष्य के साथ कार्य कर रही है और 9 से 11 दिसंबर तक आयोजित होने वाली 'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट' इस दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने कहा कि युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार प्रदान करने के लिए छोटे एवं स्थानीय निवेश भी महत्वपूर्ण हैं।

मुख्यमंत्री शर्मा भरतपुर में राइजिंग राजस्थान इन्वेस्टर मीट के तहत आयोजित उद्यमियों के संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में निवेश को बढ़ावा देने के लिए छोटे उद्योगों को सब्सिडी, जमीन आदि में विशेष रियायतें प्रदान की जा रही हैं। साथ ही, उद्योगों को सभी जरूरी मंजूरी के लिए सिंगल विंडो सिस्टम विकसित किया गया है।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने 9 महीने के अल्प समय में ऐतिहासिक फैसले लिए हैं। प्रदेश में पानी की आवश्यकताओं को देखते हुए ईआरसीपी एवं यमुना जल समझौते एवं देवास परियोजना पर कार्य किया है।

साथ ही, प्रदेश को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए 2 लाख 24 हजार करोड़ रुपए के एमओयू किए हैं। हमारी सरकार ने पेपरलीक के मामलों की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया और युवाओं के सपनों को रौंदने वालों को सलाखों के पीछे पहुंचाया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भरतपुर में ऐतिहासिक एवं प्राकृतिक पर्यटन की संभावनाओं को ध्यान में रखकर सौन्दर्यकरण एवं सुव्यवस्थित विकास कार्य करवाये जा रहे हैं। राज्य सरकार का विजन है कि भरतपुर को मनमोहक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाए। कार्यक्रम में उद्योगपतियों और निवेशकों ने भरतपुर में विभिन्न क्षेत्रों के विकास और निवेश संबंधी सुझाव दिए। उन्होंने होटल, खनन, अटोमोबाइल, सरसों तेल सहित विभिन्न बिंदुओं पर अपने सुझाव साझा किए।

इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री एवं जिला प्रभारी सुरेश सिंह रावत, गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम, विधायक ड. शैलेश सिंह, नौक्षम चौधरी, अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री शिखर अग्रवाल, परिवहन आयुक्त एवं जिला प्रभारी सचिव श्रीमती शुचि त्यागी एवं विभिन्न प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

ग्रामीणों ने तेंदुए को मारा

जयपुर। राजस्थान के उदयपुर जिले में एक ग्रामीण पर हमला करने वाले तेंदुए को ग्रामीणों ने कथित तौर पर मार डाला। यह घटना इलाके में 'आदमखोर' तेंदुए के कई हमलों के बीच हुई है और अधिकारियों के अनुसार मामले की जांच की जा रही है। पुलिस के अनुसार, यह घटना गोगुंदा से करीब 20 किलोमीटर दूर सायरा थाना के कमोल गांव में हुई। तेंदुए के हमले में घायल देवराम (55) को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह इलाका उस जगह से करीब 25 किलोमीटर दूर है, जहां पिछले कई दिनों से वन और पुलिस की टीमें 'आदमखोर' तेंदुए की तलाश कर रही थीं। पुलिस ने बताया कि एक तेंदुए ने देवाराम के घर के बाहर उनके मवेशियों पर हमला किया। मवेशियों की उछलकूद एवं हंगामा सुनकर जब देवाराम बाहर आया तो तेंदुए ने उस पर भी हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गया।

देवाराम ने शोर मचाया। इसके कुछ देर बाद ही कई ग्रामीण इकट्ठा हो गए और उस जगह को घेर लिया, जहां तेंदुआ छिपा हुआ था। जैसे ही ग्रामीणों ने तेंदुए को देखा, उस पर लाठी-डंडों और कुल्हाड़ी जैसी धारदार चीजों से हमला कर दिया। पुलिस ने बताया कि तेंदुए की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस और वन विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि यह वही आदमखोर तेंदुआ है जिसकी कई दिनों से तलाश की जा रही थी, या कोई और।

मुख्यमंत्री ने ली बजट घोषणाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि अधिकारी आमजन की आकांक्षाओं के अनुरूप विकास कार्यों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय में पूरा कर सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना सुनिश्चित करें। उन्होंने बजट घोषणाओं की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए धरातल पर शीघ्र मूर्तरूप देने के निर्देश दिये।

मुख्यमंत्री शर्मा भरतपुर के कलेक्ट्रेट सभागार में विभागवार बजट घोषणाओं एवं विकास कार्यों की समीक्षा करते हुये उपस्थित अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बजट घोषणाओं में भूमि आवंटन, डीपीआर तैयार करने से लेकर टेंडर प्रक्रिया तक अधिकारी नियमित मॉनिटरिंग करते हुये निर्धारित समय पर कार्य शुरू करें। भविष्य में शहरी विस्तार एवं आवश्यकताओं को देखते हुये इस प्रकार की प्लानिंग करें कि आने वाले समय में संसाधनों की कमी नहीं रहे।

आरजी कर चिकित्सक मामला: प्रदर्शनकारियों ने न्याय की मांग करते हुए सीबीआई कार्यालय तक मार्च किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। कोलकाता में चिकित्सकों, वकीलों और नागरिक समाज के सदस्यों समेत सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने शनिवार को सॉल्ट लेक के सीजीओ कॉम्प्लेक्स में स्थित सीबीआई कार्यालय तक मार्च निकालकर सरकारी आर. जी. कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की एक महिला चिकित्सक से बलात्कार-हत्या मामले में निष्पक्ष और त्वरित न्याय की मांग की।

सॉल्ट लेक के करुणामयी क्षेत्र से प्रदर्शनकारियों ने 'हमें न्याय चाहिए' जैसे नारे लगाते हुए कुछ किलोमीटर दूर स्थित सीजीओ कॉम्प्लेक्स की ओर मार्च किया। उन्होंने सीबीआई जांच पर भी 'आश्चर्य' व्यक्त किया, जिसने अपने आरोपपत्र में कोलकाता पुलिस के जांच निष्कर्षों की पुष्टि की है। कोलकाता पुलिस ने संजय रॉय नामक व्यक्ति को एकमात्र अपराधी बताया गया था, जो अब हिरासत में है। एक प्रदर्शनकारी ने कहा, हमें आश्चर्य है कि सीबीआई ने कुछ दिन पहले पेश किए गए आरोपपत्र में कोलकाता पुलिस की जांच का समर्थन कैसे किया। हमारे विचार से इसमें पारदर्शिता का अभाव है और इस क्रूरता में शामिल लोगों को बेनकाब किया जाना चाहिए। पुलिस ने सीजीओ कॉम्प्लेक्स में सीबीआई कार्यालय के पास आने वाली सड़कों पर अवरोधक लगा दिए थे। हालांकि, प्रदर्शनकारियों के पांच प्रतिनिधियों को मांगों का ज्ञापन सौंपने के लिए सीबीआई कार्यालय के अंदर जाने की अनुमति दी गई। सीबीआई आर जी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की चिकित्सक से बलात्कार और हत्या मामले की जांच कर रही है।

चिकित्सकों का सामूहिक इस्तीफा स्वीकार्य नहीं : बंगाल सरकार

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल सरकार ने शनिवार को कहा कि सरकारी अस्पतालों के चिकित्सकों का सामूहिक इस्तीफा वैध नहीं है और इसे सेवा नियमों के अनुसार व्यक्तिगत रूप से प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

कोलकाता के आर.जी. कर चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल में प्रशिक्षु चिकित्सक के साथ बलात्कार और उसकी हत्या के मामले में न्याय की मांग करते हुए राज्य सरकार श्वरा संचालित अस्पतालों के कई चिकित्सकों ने सामूहिक रूप से हस्ताक्षरित ''त्यागपत्र'' सरकार को सौंपा है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के मुख्य सलाहकार अलपन बंद्योपाध्याय ने यहां राज्य सचिवालय 'नबान्न' में संवाददाताओं से कहा, ''जब तक कोई कर्मचारी सेवा नियमों के अनुसार नियोक्ता को व्यक्तिगत रूप से अपना इस्तीफा नहीं भेजता है, तब तक वह त्यागपत्र नहीं है।'' उन्होंने स्पष्ट किया कि चिकित्सकों श्वरा भेजे गए पत्र में केवल सामूहिक हस्ताक्षर थे, जिनमें विशिष्ट मुद्दों पर कोई चर्चा नहीं की गई थी।

इस सप्ताह की शुरुआत में, आर.जी. कर चिकित्सा महाविद्यालय के वरिष्ठ चिकित्सकों के एक समूह ने अपने प्रदर्शनकारी जूनियर सहकर्मियों के साथ एकजुटता दिखाते हुए सामूहिक रूप से हस्ताक्षरित ''त्यागपत्र'' भेजा था। इसके बाद, अन्य सरकारी अस्पतालों के चिकित्सकों ने भी इसी तरह के पत्र भेजे।

राज्य के कई सरकारी अस्पतालों के कनिष्ठ चिकित्सक अपनी सहकर्मी के लिए न्याय, राज्य के स्वास्थ्य सचिव के इस्तीफे और कार्यस्थल पर सुरक्षा बढ़ाने की मांग को लेकर आमरण अनशन पर हैं।

कोलकाता में चिकित्सक से बलात्कार व्यापक स्तर पर सांस्कृतिक पतन का परिणाम : भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने कोलकाता के सरकारी आर जी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एक कनिष्ठ चिकित्सक के साथ कथित बलात्कार और उसकी हत्या की घटना पर ''परदा डालने के प्रयासों'' की शनिवार को निंदा की।

भागवत ने नागपुर में वार्षिक विजया दशमी उत्सव में आरएसएस कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसी घटनाएं समाज में बड़े पैमाने पर सांस्कृतिक पतन और भ्रष्टाचार का परिणाम हैं। उन्होंने भारत की पुरानी परंपराओं का हवाला देते हुए कहा, ''जब द्रौपदी के चीर को छुआ गया तो महाभारत हुआ और जब सीता का अपहरण हुआ तो रामायण हुई।''

भागवत ने कहा, ''कोलकाता के आर जी कर अस्पताल में जो हुआ वह एक शर्मनाक घटना है और हम सभी का अपमान है।''

आरएसएस प्रमुख ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि इस घटना को छुपाने और अपराधियों को बचाने की कोशिश की गई। भागवत ने कहा, ''अपराध, राजनीति और जहरीली संस्कृति का गठजोड़ हमें बर्बाद कर रहा है।''

भाजपा के लोग धर्म और जातियों को लड़ाकर राजनीति करना चाहते हैं : अखिलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और उप्र के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शनिवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा प्रहार करते हुए आरोप लगाया कि भाजपा के लोग धर्म और जातियों को लड़ाकर राजनीति करना चाहते हैं। अखिलेश यादव आज यहां गोमती नगर स्थित डॉ राम मनोहर लोहिया पार्क में पहुंचकर समाजवादी चिंतक डॉक्टर राम मनोहर लोहिया की 57 वीं पुण्यतिथि पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद एकत्र कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों एवं जनसमुदाय को सम्बोधित कर रहे थे। अपने संबोधन में सपा प्रमुख ने कहा कि ''भाजपा की नीतियां विनाशकारी हैं। संविधान से बनी हर चीज को यह उलटना चाहते हैं। यह वह लोग है जो नफरत की राजनीति करते हैं। वे भेदभाव करते हैं। यह वे लोग हैं जो धर्म जातियों को लड़ाकर राजनीति करना चाहते हैं।''

यादव ने लोहिया को नमन करते हुए कहा, ''हम उनके सपनों का समाजवादी भारत बनाने का सपना पूरा करने का संकल्प लेते हैं। लोहिया ने देश में हर तरह से भेदभाव के खात्मे, और जाति तोड़ने का आहवान किया था।'' उन्होंने कहा, ''लोहिया ने हर स्तर पर हो रहे भेदभाव का विरोध किया था। समाजवादी व्यवस्था से ही गरीबी मिटेगी और पढ़ाई में भेदभाव मिटेगा। उनकी दाम बांधो नीति से ही महंगाई, गरीबी दूर होगी। लोहिया जी ने सप्तक्रांति के माध्यम से समाज में खुशहाली का रास्ता दिखाया था।'' सपा मुख्यालय से जारी एक बयान के अनुसार लोहिया की पुण्यतिथि पर आज राजधानी लखनऊ में मुख्य कार्यक्रम लोहिया पार्क में हुआ। लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, गोमती नगर में विधायक रविदास मेहरोत्रा ने उनकी मूर्ति पर माल्यार्पण किया। प्रदेश के विभिन्न जनपदों और अन्य प्रदेशों में भी समाजवादी पार्टी के कार्यालयों में डॉ0 राम मनोहर लोहिया को श्रद्धांजलि दी गई।

सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि ''जब सरकार यह कह रही है कि पांच ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था है, अगर हमारी अर्थव्यवस्था आगे बढ़ रही है तो आखिरकार 'हंगर इन्डेक्स' पर हम कहां खड़े हैं। 105 वें स्थान पर हैं।'' यादव ने कहा कि रेलवे में सुधार की बड़ी-बड़ी बाते की गई थी। लेकिन परिणाम क्या निकला। ट्रेन दुर्घटनाएं रिकार्ड तोड़ रही हैं।

योगी आदित्यनाथ ने श्रीनाथ जी की विशिष्ट पूजा-अर्चना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। गोरखनाथ मंदिर में विजया दशमी के अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रीनाथ जी की विधि विधान से पूजा अर्चना की।

नाथपंथ की परंपरा का अनुसरण करते हुए गोरक्षपीठाधीश्वर के विशेष परिधान में मुख्यमंत्री योगी ने श्रीनाथ जी की विधि विधान से पूजा-आराधना की। इसके बाद गोरखनाथ मंदिर में प्रतिष्ठित सभी देव विग्रहों का विशिष्ट पूजन किया।

एक बयान के मुताबिक, विजया दशमी के दिन प्रातः काल गोरक्षपीठाधीश्वर ने मंदिर के शक्तिपीठ में मां जगतजननी की पूजा की और इसके बाद गोरखनाथ मंदिर के गर्भगृह में जाकर महायोगी गोरखनाथ जी के समक्ष हाजिरी लगाई। मंदिर के गर्भगृह में योगी आदित्यनाथ ने विशिष्ट पूजन किया और गुरु गोरखनाथ जी की आरती उतारी।

इस दौरान नाथपंथ के परंपरागत विशेष वाद्य यंत्र नागफनी, शंख, ढोल, घंट, डमरू की गूंज से पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय हो गया।

मणिपुर पुलिस ने भूमिगत संगठनों की रंगदारी से निपटने के लिए बनाया विशेष प्रकोष्ठ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। मणिपुर पुलिस ने कहा कि राज्य सरकार ने भूमिगत संगठनों एवं गिरोहों की रंगदारी (जबरन वसूली) से निपटने के लिए एक विशेष प्रकोष्ठ बनाया है क्योंकि उनकी (इन संगठनों की) हरकतें पिछले 16 महीनों में अप्रत्याशित स्तर तक पहुंच गयी हैं। पुलिस महानिरीक्षक (खुफिया) के कबीब ने यहां पत्रकारों को बताया कि राज्य में तीन मई 2023 को जातीय हिंसा भड़कने के बाद से कई भूमिगत संगठनों एवं गिरोहों ने अपनी गतिविधियां काफी बढ़ा दी हैं।

कबीब ने कहा, ''राजमार्गों पर चलने वाले ट्रकों से अवैध वसूली की जा रही है। चंदे की आड़ में वे व्यापारियों, शिक्षण संस्थानों और आम लोगों को परेशान कर रहे हैं, जिससे आर्थिक गतिविधियां धीमी हो रही हैं।'' उन्होंने कहा, '' पुलिस इन लोगों से निपटने के लिए अधिकतम एहतियाती कदम उठा रही है।'' उन्होंने कहा कि ये भूमिगत संगठन कभी-कभी अपहरण, ग्रेनेड हमलों के साथ ही फोन के जरिए धमकियां भी देते हैं। कबीब ने कहा कि इन गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस ने अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून व्यवस्था) की अगुवाई में जबरन वसूली विरोधी प्रकोष्ठ बनाया है जिसमें सभी क्षेत्रों के पुलिस महानिरीक्षकों को सदस्य बनाया गया है। उन्होंने कहा, '' यह प्रकोष्ठ पूरे राज्य में जबरन वसूली विरोधी अभियान की निगरानी पर ध्यान देगा। जिला पुलिस ने रंगदारी से निपटने के लिए अन्य सुरक्षा एजेंसियों की मदद से समर्पित 15 टीम बनाई हैं।'' पुलिस के मुताबिक पिछले एक साल में जबरन वसूली करने वाले 121 से अधिक लोगों को भूमिगत संगठनों एवं गिरोहों के करीब 215 सदस्यों के साथ गिरफ्तार किया गया है। कबीब ने कहा पुलिस अन्य एजेंसियों के साथ समन्वय कर रही है और उसने लोगों से जबरन वसूली की किसी भी मांग की सूचना देने की अपील की है।

भारत रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की ओर अग्रसर: सेठ

रामगढ़ (झारखंड)/भाषा। केंद्रीय मंत्री संजय सेठ ने शनिवार को कहा कि भारत रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने की ओर अग्रसर है। वह यहां झारखंड के एकमात्र छावनी शहर रामगढ़ में स्थित पंजाब रेजिमेंटल सेंटर (पीआरसी) में थे। रामगढ़ राज्य की राजधानी रांची से लगभग 45 किलोमीटर दूर है।

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री सेठ ने पीआरसी में दशहरा के अवसर पर शस्त्र पूजा में भाग लेने के बाद कहा, भारत रक्षा के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है और जल्द ही आत्मनिर्भर बन जाएगा। सेठ आज सुबह पीआरसी पहुंचे, जो भारतीय सेना की सबसे पुरानी रेजिमेंट में से एक है। पीआरसी के कमांडेंट ब्रिगेडियर संजय चंद्र कांडपाल ने उनका स्वागत किया। एक अधिकारी ने बताया कि मंत्री ने अग्निवीरों से बात करते हुए उनके बीच मिठाइयां बांटी और उन्हें दशहरा की शुभकामनाएं दीं।

रक्षा मंत्री ने अरुणाचल प्रदेश में 18 बीआरओ परियोजनाओं का उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ईटानगर/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) की 75 परिवर्तनकारी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का ऑनलाइन माध्यम से उद्घाटन किया। इनमें से 18 परियोजनाएं अरुणाचल प्रदेश में स्थित हैं, जिनमें तीन प्रमुख सड़कें, 14 पुल और एक हेलीपैड शामिल हैं। अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) के.टी. परनाइक ने भी ईटानगर से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से कार्यक्रम में भाग लिया।

राज्यपाल ने राज्य और राष्ट्र दोनों के लिए इन परियोजनाओं के रणनीतिक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, ''इन परियोजनाओं के पूरा होने से राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूती मिलेगी, सतह और हवाई संपर्क में सुधार होगा और राज्य में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।'' परनाइक ने इन महत्वपूर्ण परियोजनाओं के सफलतापूर्वक क्रियान्वयन के लिए अरुणाचल प्रदेश की जनता की ओर से केंद्र सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इन बुनियादा ढांचा परियोजनाओं से सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा, विशेष रूप से सीमावर्ती क्षेत्रों में। इस बीच, अरुणाचल प्रदेश के कानून एवं न्याय मंत्री केंटो जिनी ने पश्चिमी सियांग जिले के आलो में व्यक्तिगत रूप से उद्घाटन समारोह में भाग लिया और इस बात पर जोर दिया कि इन परियोजनाओं से राज्य की कनेक्टिविटी में उल्लेखनीय सुधार होगा। उन्होंने कहा कि इससे राज्य के भविष्य को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

मेरठ में आत्महत्या की कोशिश कर रहे युवक को पुलिस कर्मियों ने बचाया

मेरठ (उप्र)/भाषा। मेरठ जिले के परतापुर थाना क्षेत्र में पारिवारिक कलह के कारण फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या की कोशिश कर रहे एक युवक को पुलिसकर्मियों ने बचाया। अपर पुलिस अधीक्षक अंतरिक्ष जैन ने बताया कि पारिवारिक कलह के कारण उपलहेडा गांव निवासी आदित्य नामक युवक ने शुक्रवार को पुलिस को सूचना दी कि वह परिवार वालों से परेशान होकर खुदकुशी करने जा रहा है।

सूचना मिलते ही पुलिस युवक के घर पहुंची और उसे आत्महत्या करने से रोक लिया। जब पुलिस मौके पर पहुंची तब आदित्य कमरे की छत में लगे कुंडे में रस्सी का फंदा डालकर लटकने की कोशिश कर रहा था। पुलिस ने दरांती से रस्सी काट कर आदित्य को नीचे उतारा। परतापुर थाने की पुलिस के अनुसार, युवक ने बताया कि उसने अपने भाइयों से कुछ रकम उधार ली थी जिसमें से कुछ रकम वह चुका नहीं पाया था और इसी को लेकर परिवार वाले उसे परेशान कर रहे हैं।

ओडिशा के जाजपुर में चोरों ने देवी दुर्गा के 10 लाख रुपए से अधिक के आभूषण चोरी किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जाजपुर (ओडिशा)/भाषा। ओडिशा के जाजपुर जिले में एक दुर्गा पूजा पंडाल से चोरों ने करीब 10 लाख रुपए के सोने और चांदी के आभूषण चुरा लिए। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि कोरेई थाना क्षेत्र के बरुंदेई मंदिर में शनिवार तड़के यह घटना हुई। पुलिस के अनुसार, जब पुजारी और पूजा समिति के सदस्य तड़के करीब तीन बजे मंदिर पहुंचे, तो उन्होंने पाया कि आभूषण गायब थे और मंदिर का मुख्य श्वर खुला हुआ था। कोरेई पुलिस थाने में दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी रात करीब दो बजे की चोरी हुई। शिकायत के अनुसार, चोरों ने देवी दुर्गा और अन्य देवताओं के मुकुट, हार, त्रिशूल, झुमके जैसे सोने और चांदी के आभूषण चुरा लिए हैं। पुलिस ने इस घटना के संबंध में जांच शुरू कर दी और चोरी के बाद फिलहाल अनुष्ठान रोक दिया गया है।

झारखंड: दशहरा पर पति ने साड़ी नहीं दिलाई तो महिला ने कर ली खुदकुशी

दुमका (झारखंड)/भाषा। झारखंड के दुमका जिले में 26 वर्षीय एक महिला ने कथित तौर पर ट्रेन के आगे कूदकर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। मृत महिला की पहचान बागझोपा निवासी सेंदो देवी के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि महिला, पति श्वरा दशहरा पर साड़ी नहीं दिलाए जाने से नाराज थी। पुलिस ने कहा, ''महिला ने दशहरा के लिए नई साड़ी मांगी थी, लेकिन उसका पति ट्रैक्टर चालक है और वह साड़ी खरीदने में असमर्थ था। इस कारण उसने (महिला ने) यह कदम उठाया।''

पति यौन इच्छा अपनी पत्नी से व्यक्त नहीं करेगा तो कहां जाएगा : उच्च न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज/भाषा। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने एक व्यक्ति के खिलाफ दहेज के आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि ये आरोप निराधार हैं और व्यक्तिगत विवादों से प्रेरित हैं। अदालत ने इस मामले में कहा कि नैतिक रूप से सभ्य समाज में व्यक्ति यौन इच्छा अपनी पत्नी से व्यक्त नहीं करेगा तो कहां जाएगा।

न्यायमूर्ति अनीश कुमार गुप्ता ने प्रांजल शर्मा और दो अन्य के खिलाफ इस मामले को खारिज करते हुए कहा कि प्राथमिकी में प्रस्तुत साक्ष्य और गवाहों के बयान, दहेज के लिए उत्पीड़न के दावों का समर्थन नहीं करते।

अदालत ने पाया कि प्राथमिक आरोप, दंपति के यौन संबंध से जुड़ी असहमतियों के आसपास केंद्रित हैं और ये विवाद दहेज की मांग से जुड़े नहीं हैं। अदालत ने कहा, यह स्पष्ट है कि पक्षों के बीच यह विवाद यौन संबंध स्थापित नहीं होने को लेकर है जिसकी वजह से विपक्षी श्वरा प्राथमिकी दर्ज कराई गई और दहेज की मांग को लेकर झूठे एवं मनगढ़ंत आरोप लगाए गए। अदालत ने प्रश्न किया, नैतिक रूप से सभ्य समाज में व्यक्ति यौन इच्छा अपनी पत्नी से या पत्नी अपनी यौन इच्छा पति से व्यक्त नहीं करेगी तो वे कहां जाएंगे।

प्राथमिकी में प्रांजल शुक्ला पर दहेज की मांग करने और पत्नी से गाली गलौज करने के साथ ही उसे अश्लील फिल्में देखने और अप्राकृतिक यौन संबंध बनाने का आरोप लगाया गया हैं। अदालत ने कहा कि विश्वसनीय साक्ष्य से ये आरोप साबित नहीं हुए। इस मामले के तथ्यों के मुताबिक, मीशा शुक्ला का विवाह आवेदक प्रांजल शुक्ला के साथ हिंदू रीति रिवाज से सात दिसंबर, 2015 को हुआ था। मीशा ने अपने सास-ससुर मधु शर्मा और पुण्य शील शर्मा पर दहेज मांगने का आरोप लगाया। हालांकि, प्राथमिकी में यह भी स्पष्ट किया गया कि शादी से पहले दहेज की कोई मांग नहीं थी। प्राथमिकी में यह भी बताया गया कि प्रांजल शराब पीता और अश्लील फिल्में देखता। साथ ही वह अपनी पत्नी के साथ अप्राकृतिक यौन संबंध बनाने पर जोर देता और मना करने पर वह उस पर ध्यान नहीं देता। बाद में वह अपनी पत्नी को छोड़कर सिंगापुर चला गया। याचिकाकर्ता के वकील वरिष्ठ अधिवक्ता विनय शरण ने कहा कि प्राथमिकी में लगाए गए आरोप और विपक्षी के बयान शारीरिक संबंध को लेकर हैं और विपक्षी (पत्नी) श्वरा बयान में मारपीट को लेकर जो आरोप लगाए गए हैं वे याचिकाकर्ता की यौन इच्छा पूरी नहीं करने के संबंध में हैं ना कि दहेज की मांग के लिए।

बरेली के गांव में दबंगों ने रोकी अनुसूचित जाति की बेटियों की बारात, पुलिस ने कराया समझौता

बरेली (उप्र)/भाषा। सवर्ण जाति के लोगों ने गांव में बारात को घुसने से रोक दिया, क्योंकि उन्हें कुछ गाने बजाने पर आपत्ति थी। इसके बाद पुलिस ने हस्तक्षेप कर मामले को सुलझाने में मदद की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह घटना सिरौली क्षेत्र के गिरधरपुर गांव में उस समय घटी जब सवर्ण जाति के कुछ लोग गांव में बारात में बजाए जा रहे गानों से नाराज हो गए। बरेली जिले के देहात क्षेत्र के सिरौली थाना प्रभारी प्रयागराज सिंह ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और बारात को सुरक्षित निकाला। सिंह ने बताया कि पुलिस ने हस्तक्षेप कर दोनों समूहों के बीच समझौता कराया। उन्होंने कहा, ''सवर्ण समुदाय के सदस्यों ने अंततः दोनों बेटियों को पारंपरिक उपहार देकर विदा किया और बिना किसी अप्रिय घटना के मामला सुलझ गया।''

असम ऑनलाइन व्यापार घोटाले की सीबीआई जांच के लिए अधिसूचना जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। केंद्र ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को असम में करोड़ों रुपए के कथित ऑनलाइन व्यापार घोटाले से जुड़े 41 मामलों की जांच करने का निर्देश दिया है। कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय ने इस संबंध में शुक्रवार को अधिसूचना जारी की। असम के मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर यह जानकारी साझा की।

इसमें कहा गया है, ''दिल्ली विशेष पुलिस प्रतिष्ठान के सदस्यों की शक्तियों और अधिकार क्षेत्र को आईपीसी/बीएनएस और अन्य अधिनियमों की प्रासंगिक धाराओं के तहत अपराधों की जांच के लिए पूरे असम राज्य में विस्तारित किया गया है, जैसा कि प्राथमिकी में उल्लेख किया गया है। यह सहमति 41 मामलों में भी दी गई है, जो असम के विभिन्न पुलिस थानों में धोखाधड़ी वाले लेनदेन और बड़ी रकम के व्यापार से संबंधित अनियमित जमा के संबंध में दर्ज हैं।'' सीएमओ ने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने इन मामलों की त्वरित जांच के लिए सीबीआई को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया है। यह घोटाला अगस्त के अंतिम सप्ताह में तब सामने आया जब दीपांकर बर्मन नामक व्यक्ति (जो फिलहाल फरार है) की कंपनी में भारी मात्रा में निवेश करने वाले लोगों ने शिकायत की कि उन्हें वादे के मुताबिक राशि नहीं लौटाई जा रही है और संबंधित कार्यालय 21 अगस्त से बंद है।

सुविचार

सफलता हमारा परिचय दुनिया को करवाती है, और असफलता हमें दुनिया का परिचय करवाती है!

ट्वीट

'बुराई पर अच्छाई' तथा 'अधर्म पर धर्म' की विजय के महापर्व 'विजयादशमी' की समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ। मर्यादा के प्रतिमान प्रभु श्री राम सभी प्रदेशवासियों के जीवन को अपार सुख, उत्तम स्वास्थ्य और समृद्धि से परिपूर्ण करें, मेरी यही मंगलकामना है।

-भजनलाल शर्मा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपनी स्थापना के 100वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। यह दिन मातृभूमि की सेवा और रक्षा के लिए स्वयंसेवकों के आत्मबल को और ऊँचाइयों पर ले जाने का है। संघ को विस्तार देने में अपना जीवन समर्पित करने वाले महानुभावों को मैं नमन करता हूँ।

-अमित शाह

कहानी

अमिय बिंदु

कशमकश

सेक्रेटरी को केबिन से बाहर निकाल 'रघु' ने धड़ाक से दरवाजा बंद कर दिया। इतनी जोर से कि दरवाजे का शीशा चकनाचूर होकर बिखर गया। लोगों की नजरें उधर उठ गई। फर्श पर शीशे के टुकड़े बिखरे थे। सारिका के मन में भी कुछ चिटक गया, कुछ टूट गया। उसकी आवाज नहीं सुनाई पड़ी। टुकड़ों को सहेजती हुई, रुलाई को गटकती हुई वह अपनी केबिन में चली गई। रघु सर गुस्से में है। बहुत ही गुस्से में है। बात पूरी ऑफिस के वातावरण में तैरने लगी। कनॉट प्लेस से थोड़ी दूर बाराखंबा रोड पर आसमान को उँगली करती हुई एक इमारत खड़ी है। इसके ग्यारहवें तल पर देश की सबसे बड़ी तेल कंपनी का ऑफिस है यह। जिनके माँ–बाप गंगा में जौ बोए होते हैं उन्हीं के बेटे–बेटियों को नौकरी मिलती है इसमें। बड़े भाग मानुष तन पावा। उससे भी बड़ा भाग कि इस कंपनी में आवा। अपनी मोटी आमदनी के चलते कंपनी अपने कर्मचारियों पर भी मोटा खर्च करती है।

रघु है कौन? रघु इसी कंपनी में सीनियर सेल्स मैनेजर है। रघु, रंजना का पति भी है। रंजना, रघु से ज्यादा पढ़ी लिखी है। ज्यादा डिग्रियाँ हैं उसके पास। मगर नकचढ़ी नहीं है। रंजना से शादी करके रघु खूब खुश था। शादी के समय रंजना नौकरी नहीं करती थी। पढ़ाई के बल पर मोटे तनख्वाह वाले रघु को फाँस लिया था। या कहिए कि इलाहाबाद यूनिवर्सिटी की स्कॉलर से रघु ने शादी के लिए हाँ कर दी थी। रंजना इलाहाबाद में कंपटीशन की तैयारी भी करती थी। रघु के मन में सरकारी नौकरी न होने की टीस थी। कई बरस तैयारी में उसने भी खराब किए थे। उसे लगा दोनों में से कोई एक सरकारी नौकरी में रहेगा तब भी जिंदगी की गाड़ी चल पड़ेगी।

तो क्या रघु, रंजना से गुस्सा है? रघु बड़ी पोस्ट पर है। खूब कमाता है। ब्याह के बाद रंजना इलाहाबाद से दिल्ली आ गई। दिल्ली बड़ा शहर था। देखने के लिए बहुत कुछ था। घूमने के लिए बहुत कुछ था। अभाव जैसा कुछ था भी नहीं। राजधानी की चकाचौंध ने उसे सम्मोहित सा कर लिया। शादी के बाद एक बरस कैसे निकल गया दोनों को पता न चला। साल बीतते किसी तीसरे के आने की आहट मिल गई। तब जाकर दोनों को एहसास हुआ कि एक साल हनीमून में ही बीत गया। कुछ दिनों बाद एक पुरुष सदस्य ने घर में जन्म लिया। यह हैप्पी फेमिली का तीसरा सदस्य था। अमन के आने से घर की रौनक बढ़ गई। रघु की जिम्मेदारियाँ बढ़ गईं। रंजना की व्यस्तता बढ़ गई।

रघु जब तब रंजना को छेड़ता रहता। 'इतने अरमानों से पढ़ाई की थी। कुछ कर लो। समय निकल जाएगा तो हाथ मलती रहोगी।' रंजना कसमसाती। इधर–उधर थोड़ा पढ़ने लगती। उसे पढ़ता देख रघु उसे समझाने लगता। कुछ–कुछ बताने लगता। तरह–तरह की सलाह देता। घर सामानों से पटा पड़ा था। सारी सुविधाएँ थीं। ऑटोमेटिक मशीनों से जिंदगी में आराम बहुत आ चुका था। फिर भी रंजना पहले की तरह नहीं पढ़ पाती थी। पहले की तरह मन नहीं रमता था। किताब खोलकर बैठी रहती और रघु देश की समस्याओं पर चर्चा शुरू कर देता। वह बढ़ती जनसंख्या को लेकर खूब परेशान था। बीटेक में उसे जनसंख्या की समस्या पर लिखे निबंध पर राष्ट्रीय पुरस्कार मिल चुका था। वह गुस्से से काँपने लगता कि सरकारें उस दिशा में कुछ नहीं कर रहीं। उसने बहुत अच्छे सुझाव भी अपने निबंध में दिए थे।

ऐसी ही किसी चर्चा के दौरान दोनों ने सहमति से 'हम दो हमारे एक' का चीनी फैसला ले लिया। फिर उस पर अडिग रहने की कोशिश करने लगे। रघु को कभी कभी खुशी होती कि वह देश की इतनी भीषण समस्या के समाधान हेतु कुछ कर रहा है। रंजना बलिहारी जाती कि इतना संवेदनशील पति मिला है। फिर भी रंजना को कुछ खाली खाली सा लगने लगा। अमन के चलते व्यस्तता तो बढ़ी थी लेकिन वह कुछ दिनों तक किताबों और पढ़ाई से दूर रहती तो मन उसे कचोटने लगता। वह कुछ पढ़ने या कुछ करने के लिए कुलबुलाने लगती। अगर किसी सहेली से कभी बात हो जाती तब तो वह छटपटाने लगती। उसकी कई सहेलियाँ नौकरी में लग चुकी थीं।तो क्या रघु, रंजना के कुछ न कर पाने से गुस्सा था? दो तीन साल की लुकाछिपी और बीच बीच की पढ़ाइयों के बाद रंजना की कोशिश रंग लाने लगी। मगर रंजना ने महसूस किया कि जब भी कोई फाइनल रिजल्ट आने वाला होता, रघु का व्यवहार बदल जाता। वह ताने मारने लगता, 'अब तो तुम दिल्ली से चली जाओगी।' 'दिन भर ए.सी. चलाई रहती हो, वहाँ कहाँ मिलेगा?' 'इतने दिन दिल्ली में रहने के बाद छोटे शहर में कैसे रहोगी?' 'अमन की पढ़ाई का क्या होगा?' छोटी–छोटी बातों पर रूठ जाता। मुँह फुला लेता। बोलना बंद कर देता। गाँव में माल कहाँ मिलेगा? ए.सी. कहाँ मिलेगा? मेट्रो जैसा नजारा कहाँ होगा? बिजली भी नहीं रहेगी। वहाँ की सरकारी ऑफिसों में कूलर तक नहीं होता। कई–कई दिन बिजली ही गायब रहती है।

रंजना उसे समझाने की कोशिश करती, 'हम लोग खुद गाँव से आए हैं। तुम गाँव से पढ़कर इतनी बड़ी पोस्ट तक पहुँचे हो।'

रघु कुछ देर के लिए समझ जाता मगर जैसे ही किसी इंटरव्यू के लिए कॉल होती, वह बड़बड़ाने लगता। अजीब बात यह थी कि जब कहीं सेलेक्शन नहीं होता तो वह रंजना को अच्छे से समझाता। खूब दिलासे देता और अच्छा करने के लिए उत्साहित करता। और ज्यादा पढ़ने के लिए कहता। तो क्या रघु, रंजना का सेलेक्शन न होने से गुस्सा था?

उस साल जनवरी में पी.सी.एस. का रिजल्ट आया। अंतिम सूची में रंजना का भी नाम था। ट्रेजरी ऑफिसर के लिए सेलेक्शन हो गया था। रघु भी खुश हुआ। रंजना को समझाता रहा, 'सँभाल के रहना वहाँ। लोगों से ज्यादा घुलना मिलना मत। अमन को बचाकर रखना।' रंजना उसे टोकती, 'अभी तो रिजल्ट आया है। पता नहीं कब जाना होगा? कहाँ जाना होगा?' कहती कि कहीं दूर बस्ती, बहराइच जैसी जगहों पर होगा तब थोड़ी जाएगी। रघु आश्वस्त होने की कोशिश करता कि रंजना बिना उसकी सहमति और अनुमति के नहीं जाएगी। फिर भी वह रह–रहकर परेशान हो जाता। इस बीच उसने रंजना को हर तरह से खुश करने की कोशिश की। उसे खूब घुमाया, दिल्ली की हर जगह दिखा डाली, मॉल्स में लेकर गया, मल्टीप्लेक्स में फिल्में दिखाई, बाहर खाना खिलाया। जितना हो सकता था वह उसे दिल्ली की दुनिया में रमा देना चाहता था। वह रंजना को सीधे मना नहीं करना चाहता था। लेकिन मन ही मन चाहता था कि रंजना खुद रुक जाए।

एक दिन ऑफिस से लौटकर रघु ने कहा, 'राजीव फूफा के यहाँ चलना है। जल्दी से तैयार हो जाओ।' यह बहुत अप्रत्याशित बात थी। तीन साल से ज्यादा हो गए थे उनके घर गए। खुद रघु को उनके घर जाना पसंद नहीं था। 'राजीव फूफा के यहाँ तो तुम जाने से मना करते हो। कहते हो वे लोग हमेशा सरकारी नौकरी की गुणगान करते रहते हैं। बड़े लोग हैं। अपने बस का नहीं।' रघु ने कुछ नहीं सुना, 'अब अपनी बीबी भी तो सरकारी अफसर बन गई है।' रंजना ने बात में छिपे तंज को गहराई से महसूस किया। वह उदास हो गई। कोई नया बखेड़ा नहीं चाहती थी। चुपचाप तैयार होकर दोनों निकल लिए। वहाँ पहुँचकर रघु ने पुराना प्रसंग छेड़ दिया, 'बुआ, आप काशी हिंदू विश्वविद्यालय में पढ़ाती थीं न?'

शादी के समय रघु की बुआ बी.एच.यू. में लेक्चरर थीं। फूफा की नौकरी के चलते, उन्हें अपनी नौकरी छोड़नी पड़ी थी। बुआ उस पर ज्यादा बात नहीं करना चाहती थीं मगर रघु घूम फिर कर वही बात करता रहा। रंजना ने बुआ के मन की टीस को महसूस किया। पचपन के आसपास की थीं बुआ। घुटनों की बीमारी, मोटापे और शुगर से त्रस्त। रघु ने बुआ के 'त्याग' पर ज्यादा जोर दिया तो रंजना बिफर पड़ी, 'नौकरी करतीं तो इतनी चुप नहीं रहतीं। तुम क्या समझोगे उनका दर्द? क्या बनारस, गाजीपुर, बलिया, गोरखपुर के बच्चे आई.आई.एम. या एम.बी.बी.एस. नहीं कर पाते? खुद फूफाजी भी बी.एच.यू. से ही पढ़े हैं।'

तर्क से खाली होकर रघु ने ब्रह्मास्त्र फेंका जो हर पुरुष, स्त्री के लिए फेंकता है, 'तुमसे तो बहस करना ही बेकार है।'

तो क्या रघु, रंजना के नौकरी के फैसले से गुस्सा था?

रंजना के नौकरी ज्वाइन किए हुए चार महीने हो चुके थे। जुलाई का आखिरी हफ्ता था। मौसम में खूब उमस थी। रंजना से मिलने रघु जौनपुर गया हुआ था। उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल क्षेत्र का जिला था यह। बनारस से बिल्कुल सटा हुआ। बारिश के आसार नहीं दिख रहे थे। धरती तप रही थी। खेतों में दरारें आनी शुरू हो चुकी थीं। अमन के शरीर में जगह–जगह फोड़े फुंसियाँ निकली थीं। कहीं से मवाद निकल रहा था तो कहीं खून की लाली थी। पापा, पापा कहकर वह दौड़ा तो रघु ने उसे झिड़क दिया, 'क्या हाल बना रखा है? यही सब गंदगी नहीं मिल रही थी तुम्हें वहाँ?' रंजना गुस्से से काँप उठी। एक महीने बाद रघु आया था। कितना इंतजार किया था उसने? ढेर सारी बातें करना चाह रही थी। ऑफिस की, लोगों की, पड़ोस की, दिल्ली वाले पड़ोसियों की। रघु ने उसकी ओर मुँह उठाकर देखा तक नहीं? अमन को दवा दिलाने चला गया। लौटकर फोड़े–फुंसियों की सेवा में लगा रहा। अमन इतने दिनों बाद पापा को पाकर खूब खुश था। रंजना चुपचाप सिसक रही थी। अंदर ही अंदर न जाने कितने फोड़ों की टीस उठ रही थी। लग रहा था पूरे बदन में फुंसियाँ ही फुंसियाँ हैं। रात में फुंसियों की जगह काँटे उग आए। करवट बदलते रात बीत गई। वह सोचती रही। गुनती रही। कुढ़ती रही। रघु ने पिछले चार महीनों में उसे बार–बार गुनहगार ठहराया था। अमन को खरोंच लग जाए, चोट लग जाए, बुखार हो जाए, दस्त लग जाए। हर बार उसे जिम्मेदार ठहराकर कुछ होने पर देख लेने की धमकी थमा देता। जैसे दिल्ली में अमन को कभी कुछ हुआ ही न हो। जैसे अमन के लिए अकेले वही जिम्मेदार है। रंजना को जलता हुआ छोड़कर लौट गया था रघु। तो क्या अमन के बीमार होने से रघु गुस्सा हुआ? धीरे–धीरे एक साल बीत गया। रघु का जौनपुर आना–जाना लगा रहता। कभी रघु संयत रहता तो कभी कुछ देखकर भड़क उठता। इस बार रंजना का चेहरा देखकर मुस्कुराया, 'अपना चेहरा देखा है आइने में काली माई? कैसी थी? क्या हो गई हो?' यह तिरछी मुस्कुराहट थी। किसी को उसकी औकात बताने के लिए मुस्कुराया जाता है, वैसी। तिरछेपन को महसूस करते हुए भी रंजना ने हँसने की कोशिश की, 'शादी के समय वाली रंजना को भूल गए? तुम्हीं तो कालीमाई दियासलाई कहकर चिढ़ाते थे। अब गोरी चिट्टी रखकर मुझे क्या ड्राइंग रूम में सजाओगे?'

ऐसे हल्के–फुल्के क्षण बड़ी जल्दी बीत जाते। अमन की तबियत खराब थी। बुखार उतर ही नहीं रहा था। रघु को फिर मौका मिल गया। वह फिर से उसी खोल में घुस गया, 'अब तो सोच लो। न जाने कौन सा भूत सवार है तुम पर। जब तक कुछ बुरा नहीं होगा तब तक नहीं मानोगे तुम लोग।'

अब रंजना चुप न रह सकी। वह शेरनी की तरह झपट पड़ी, 'इस तरह क्यों कोसते हो? मेरी गलती क्या है? तुम्हीं तो नौकरी करने के लिए कहते थे? बहाने छोड़ो सीधे–सीधे बोलो चाहते क्या हो?'

यह रूप देखकर रघु हड़बड़ा गया। उसे खुद नहीं पता था कि वह चाहता क्या है? सीधे कहे भी क्या? कैसे कहे कि रंजना नौकरी छोड़ दे? कैसे कहे कि रंजना पत्नी बनकर उसका घर सँभाले? उसकी देखभाल करे। खाना बनाए। कपड़े धोए। उसके पैर दबाए। मालिश करे। वह हकलाने लगा, 'मैं, मैं, मैं क्या चाहता हूँ। तुम्हीं लोगों की खातिर कह रहा था। मुझे क्या है?'

रंजना आरपार के मूड में थी, 'हमारी चिंता के लिए ताने मारते हो? इतनी ही चिंता है तो एक काम करो, जितनी मुझे तनख्वाह मिलती है, उतने रुपये मुझे हर महीने दे दिया करो।'

रघु ने मौके को किसी योद्धा की तरह लपका, 'मैं कमाता हूँ तुम्हीं लोगों के लिए तो। इसमें मेरा तेरा की बात कहाँ से आ गई?' मगर रंजना आज फँसने वाली नहीं थी, 'वही तो, अपने उन्हीं पैसों में से ही तनख्वाह माँग रही हूँ। तुम्हें क्या दिक्कत है?'

दही में मथानी की तरह रघु बात को घूमाने लगा, 'क्या करोगी अलग से पैसे लेकर?' दरअसल वह चाहता था कि जो कुछ अंदरूनी बात हो वह बाहर आ जाए। रंजना वैसे ही शांत थी, 'कुछ भी करूँ? बस मुझे अलग से निकालकर दे दिया करो। मेरे अकाउंट में।' रघु अभी दही को बिलो रहा था, 'मुझसे छिपाकर खर्च करोगी? मैं पूछ नहीं सकता?'

रंजना मुँह बिचकाते हुए बोली, 'ऐसी कोई बात नहीं है। क्या अपनी तनख्वाह मैं चोरी से खर्च करती हूँ? तुम पूछते नहीं तब भी मैं तुम्हें बताती हूँ, तुमसे पूछती हूँ।' रघु एकटक देखता रहा। बात घुमाने से भी कुछ नहीं निकला। रंजना पास बैठी थी। वह बात को शांत करने लगी, 'आज मेरे अकाउंट में भी कुछ पूँजी जमा है। वह क्या सिर्फ मेरी है? क्या बिना बताए मैं कुछ करती हूँ? लेकिन मुझे अच्छा लगता है। मेरी खुशी की खातिर ही दे दो।' रघु का दिमाग झनझना गया। कुछ बहुत बुरा बोलना चाहता था पर इतना ही कहा, 'तो साफ–साफ कहो न कि मुझे पैसे जमा करने हैं। कुछ हासिल करना है। कॅरियर बनाना है।'

रंजना का गुस्सा छँट गया था। उसकी ममता उफान मारने लगी। शाम को रघु को वापस लौटना था। उसने धीरे से कहा, 'तो इसमें गलत क्या है रघु? यह सब भी तो मैं तुम्हारी पत्नी बनकर ही कर रही हूँ।' रघु के सिर में हथौड़े चल रहे थे। बरसों से सँजोया मन का शीशा चिटक गया था। वह पूछना चाहता था कि पत्नी का मतलब भी उसे पता है? मगर पूछ नहीं सका। जो मतलब उसे पता था वह भी कहाँ ठीक था? फिर दोनों में कोई बात नहीं हुई। गुस्से में ही वह शाम की ट्रेन से निकल गया। सुबह ऑफिस पहुँचा तब भी मूड खराब था। मन में कई–कई दरारें थीं। यह वही सुबह थी जब सेक्रेटरी ने टारगेट पूरी होने की खुशी में पार्टी की बात कही तो रघु बौखला गया। मचलती हुई सारिका के चेहरे में उसे किसी और का अक्स दिखलाई पड़ा। उसका सिर घूम गया। सारिका को गालियाँ देता हुआ केबिन से 'गेट आउट' कहकर भगा दिया। दोनों हाथों में सिर थाम रिवॉल्विंग चेयर पर बैठ गया। उसे लग रहा था उसकी चेयर अपनी पूरी गति से घूम रही है। वह अपनी नजरें कहीं स्थिर नहीं कर पा रहा है। रघु को खुद नहीं पता वह इतना गुस्सा क्यों है?

– 'हिन्दी समय' से साभार

संजय उवाच

संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

आओ संवाद करें...(2)

लगभग डेढ़ माह पहले डेंगू ने जकड़ लिया था। परिणामस्वरूप सप्ताह भर अस्पताल में रहना पड़ा। व्याधि की जकड़न और अशक्ति के चलते लेखन भी विशेष नहीं हो पा रहा था। औषधि के प्रभाव से दिन में सोने लगा था जिससे देर रात तक जागता रहता। तथापि भोर के समय उठने का अभ्यास बना रहा। हाँ, बिस्तर पर पड़े होने के कारण निरर्थक बीत रहा समय, निरर्थक बीत रहा जीवन, निरंतर व्यथित कर रहे थे। इसी स्थिति में पाँच दिन बीत गए। आज छठा दिन था। स्वास्थ्य में सुधार था पर अशक्ति भी थी।

इस समय भोर के साढ़े चार बजे थे। मैं अस्पताल के कॉरिडोर में यथासंभव चक्कर लगा रहा था। बदली हुई स्थितियों में यह मेरा 'मॉर्निंग वॉक' था। मुख्य फाटक बंद था। अतः बाहर जाने की सुविधा नहीं हो सकती थी। स्टाफ, मरीज़ सब सोए हुए और बिना पदचाप के, दबे पाँव मैं भ्रमण कर रहा था।

लगभग छह बजे फाटक खुला। अस्पताल शहर की मुख्य सड़क पर है पर 'स्मार्ट सिटी प्रकल्प' के अंतर्गत बने चौड़े फुटपाथ के चलते भ्रमण की सुविधा थी। यह अस्पताल एक डॉक्टर मित्र का है। अत: मेरे लिए बाहर जाने में कोई कठिनाई नहीं थी। यहाँ से लगभग दो सौ मीटर दूर पोहे के लिए प्रसिद्ध एक होटल की शाखा है। वहाँ की चाय भी लोकप्रिय है। आज अनेक दिनों बाद चाय पीने की इच्छा जागी।

मैंने मनोबल बटोरा और धीरे–धीरे चलता हुआ उस होटल तक जा पहुँचा। होटल के सामने बड़ा अहाता था। तीनों ओर लगी हरी बाड़, गमलो में सजाकर रखे बड़े पौधे और उनके बीच करीने से लगी हुई टेबल– कुर्सियाँ। वातावरण से मन प्रसन्न हो उठा। मैं एक कुर्सी पर बैठ गया। बैठने से जैसे जान में जान आई।

देखता हूँ कि किसी महाविद्यालय के बारह–पंद्रह छात्र–छात्राएँ वहाँ जलपान कर रहे हैं। हँसी–मज़ाक करते, खाते–पीते युवा। फिर देखता हूँ कि उन विद्यार्थियों के समूह में से एक युवक अपने साथियों से कुछ कह रहा है और उसके साथी मुझे निहार रहे हैं। अनुमान लगाया कि संभवत: मेरी अस्त–व्यस्त स्थिति, बढ़ी हुई दाढ़ी, सलाइन लगाने के लिए हाथ में लगे आई.वी.सेट को देखकर वे कुछ चर्चा कर रहे हों।

इस बीच मेरी चाय आ गई। मैं धीरे–धीरे चुस्कियाँ लेकर चाय पीने लगा। उधर उन छात्र–छात्राओं का जलपान भी समाप्त हो चुका था। वे अब होटल से बाहर जा रहे थे। मैंने पाया कि वह युवक मेरी ओर आ रहा है। अनुभव हुआ कि वह मुझसे कुछ कहना चाहता है। निकट आकर उसने नमस्कार किया। फिर बोला, 'अंकल आपको क्या हुआ है? अब बहुत कमज़ोर लग रहे हैं? क्या मैं आपकी कुछ मदद कर सकता हूँ? उस बच्चे के शब्दों की आत्मीयता ने भाव–विभोर कर दिया। उसे धन्यवाद देते हुए मैंने अपनी स्थिति की संक्षिप्त जानकारी दी। फिर वह बोला, आप बिल्कुल मेरे चाचा की तरह दिखते हैं। आप आए तब से मैं आपको ही देख रहा था। अपनी तबीयत का ध्यान रखिए। क्या मैं आपको अस्पताल तक छोड़ दूँ? मैंने सधन्यवाद इंकार किया। मालूम चला कि वह हिमाचल प्रदेश से है। ये सारे विद्यार्थी कोई शॉर्ट कोर्स करने यहाँ आए हुए हैं। कोर्स पूरा हो चुका। अब अपने–अपने घर लौटेंगे। जाते–जाते भी वह लड़का मुझे स्वास्थ्य का ध्यान रखने का आग्रह करता गया। एक बार फिर उसने अस्पताल तक छोड़ने की बाबत पूछा। एक बार फिर मैंने इंकार किया।

वह चला गया और मानस में विचार उठा कि हम आपस में परिचित नहीं थे। इस जीवन में हमारा कोई प्रत्यक्ष या परोक्ष सम्बंध इससे पूर्व नहीं आया था। तब भी वह युवक आत्मीय संवाद कर गया।... सचमुच मनुष्य और मनुष्य के बीच संवाद कितना आवश्यक है!

कोरोनाकाल में मैंने 'आओ संवाद करें' शीर्षक से तात्कालिक स्थितियों पर लेखन और यू–ट्यूब के माध्यम से प्रबोधन का प्रयत्न किया था। उसी शृंखला को आगे बढ़ाते हुए कहना चाहूँगा कि परिस्थितियाँ जैसी भी हों, मनुष्य और मनुष्य का संवाद युगों से जमी बर्फ़ पिघला सकता है। अपनी एक कविता याद हो आई,

विवादों की चर्चा में युग जमते देखे,
आओ संवाद करें,
युगों को पल में पिघलते देखें..।
मेरे तुम्हारे चुप रहने से बुढ़ाते रिश्ते देखे,
आओ संवाद करें,
रिश्तों में दौड़ते बच्चे देखें..।
तो देर किस बात की, आओ संवाद करें।

बोध कथा

पानी का कटोरा

राहुल ने कहा की मै अभी जाकर फूफा जी से पूछता हूँ की वह आखिर कब जायेंगे। राहुल ने बातों बातों में फूफा जी से कहा की 1 महीना हो गया है। आपके जॉब की छुट्टियाँ तो खत्म हो गयी होंगी न।

फूफा जी बोले राहुल मैंने जॉब तो कब की छोड़ दी। अब तो मै बिज़नेस करता हूँ और अब मै इस शहर में भी कुछ बिज़नेस खोलने की सोच रहा हूँ। पहले इस शहर को अच्छे से समझ लूँ जिसमे 2–3 महीने तो लग ही जायेंगे। यह सुनकर राहुल समझ गया की फूफा जी अभी जाने वाले नहीं है । उसने यह बात अपनी पत्नी और माँ को बताई। सीमा बोली जब घी सीधी ऊँगली से नहीं निकलता तो ऊँगली टेढ़ी करनी पड़ती है। इनके साथ भी कुछ ऐसा ही करना होगा। आप यह काम अब मुझ पर छोड़ दीजिये। उसी रात बुआ और फूफा जी छत पर थे। तभी उनका लड़का सोनू चिल्लाता हुआ उनके पास गया और बोला की मैंने अभी एक चुड़ैल को देखा है।

तभी एक चुड़ैल वहाँ आ गयी और बुआ और फूफा जी को बोली की तुम में से कौन पहले मेरा भोजन बनना चाहेगा। चुड़ैल को देखकर वह बहुत डर गए और उस घर से भाग गए। उनके जाने के बाद सीमा ने अपना चुड़ैल का मुखौटा उतारा। बुआ के परिवार के जाने के बाद सबने चैन की सास ली। सीमा की सास ने सीमा से कहा की तू तो बड़ी अच्छी चुड़ैल बनती है। यह कहकर सब हॅसने लगे।

वीर गाथा

विनोद कुमार चौबे: नक्सलियों के नेटवर्क का किया पर्दाफाश, घातक हमले में लगा दी जान की बाज़ी

हमारे देश की सुरक्षा और अखंडता के सामने नक्सलवाद एक गंभीर चुनौती है। सुरक्षा बलों के अधिकारी और जवान इसका दृढ़ता से सामना कर रहे हैं। उन्होंने नक्सलियों के खात्मे के सिलसिले में कई बड़े बलिदान दिए हैं। विनोद कुमार चौबे उन्हीं अधिकारियों में से एक थे, जो न तो किसी चुनौती के सामने झुके और न ही मौत उन्हें ख़ौफ़ज़दा कर पाई।

माता कमला देवी चौबे और पिता द्वारका प्रसाद चौबे के पुत्र विनोद का जन्म छत्तीसगढ़ के भिलाई (तब मप्र) में हुआ था। वे बहुत प्रतिभाशाली छात्र थे। वे युवावस्था में ही एक कॉलेज में रसायन विज्ञान पढ़ाने लगे थे। इसके बाद साल 1983 में मप्र पुलिस में डीएसपी बन गए। वे साल 1996 में भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के लिए चयनित हुए।

विनोद कुमार एक साहसी पुलिस अधिकारी थे, जिन्होंने नक्सलियों के खिलाफ कई अभियान चलाए थे। उन्हें इन अभियानों में सफलता भी मिली थी। वे साल 2003 में नक्सलियों द्वारा की गई गोलीबारी में घायल हो गए थे। उन्हें विशिष्ट सेवाओं के लिए राष्ट्रपति पदक से सम्मानित किया गया था।

विनोद कुमार ने साल 2008 में रायपुर और भिलाई में नक्सलियों के नेटवर्क का पर्दाफाश किया था, जिससे कई लोगों की गिरफ्तारियां हुई थीं। इससे नक्सली बुरी तरह भड़क गए थे। उन्होंने विनोद को कई बार धमकियां दीं, लेकिन वे अडिग रहे।

विनोद कुमार को 12 जुलाई, 2009 को बतौर राजनांदगांव पुलिस अधीक्षक सूचना मिली कि नक्सलियों ने मदनवाड़ा चौकी पर हमला कर दो पुलिसकर्मियों की हत्या कर दी है। वे तुरंत उस जगह पहुंचने के लिए तैयारी करने लगे।

उधर, नक्सली भी घात लगाकर बैठे थे। विनोद कुमार अपने काफिले के साथ रास्ते में थे कि नक्सलियों ने उन पर गोलीबारी कर दी। इससे वाहन का ड्राइवर घायल हो गया। उसे संकट में देखकर विनोद ने वाहन को अपने नियंत्रण में लिया। आगे नक्सलियों ने सड़कों पर अवरोधक लगा रखे थे।

विनोद कुमार ने नक्सलियों पर जवाबी हमला किया। इससे उनका गिरोह पीछे हटने को मजबूर हुआ। विनोद ने अपनी सूझबूझ से एक यात्री बस को भी सुरक्षित निकाला। उसके बाद बड़ी तादाद में नक्सली आ गए, जो जंगल में कहीं छिपे हुए थे। उन्होंने पुलिस पर गोलीबारी की, ग्रेनेड फेंके।

विनोद कुमार ने जवाबी हमले का फैसला किया। वे अपनी पोजिशन से 10 मीटर दूर खाई के रास्ते से नक्सलियों की ओर बढ़ रहे थे। अचानक उन पर तेज गोलीबारी हुई। इससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। वे कुछ समय बाद वीरगति को प्राप्त हो गए। विनोद कुमार चौबे ने खूंखार नक्सलियों का जिस बहादुरी और दृढ़ता से सामना किया, उसे देश नमन करता है। उन्हें कीर्ति चक्र से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। – दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सिंदूर खेला

अभिनेत्री तनिषा मुखर्जी शनिवार को मुंबई में नॉर्थ बॉम्बे सर्बोजनिन दुर्गा पूजा पंडाल में सिंदूर खेला के बाद फोटो खिंचवाती हुईं।

ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने 'परिवर्तनकारी' मोदी की 'अलौकिक ऊर्जा' की प्रशंसा की

लंदन/भाषा। ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने एक नए संस्मरण में बदलाव के वाहक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रशंसा की है। इस संस्मरण में उन्होंने अपने उतार-चढ़ाव से भरे राजनीतिक जीवन का उल्लेख करते हुए याद किया कि कैसे भारतीय नेता के साथ पहली मुलाकात में उन्हें एक आलौकिक ऊर्जा महसूस हुई थी।

ब्रिटेन में इस सप्ताह बुक स्टोर पर बिक्री के लिए उपलब्ध 'अन्लीश्ड', में एक पूरा अध्याय भारत के साथ ब्रिटेन के संबंधों पर केंद्रित है, यह संबंध अब तक के सबसे अच्छे संबंधों में से एक है।

हिंद-प्रशांत के संदर्भ में भारत-ब्रिटेन की मजबूत मित्रता पर बार-बार जोर देते हुए पूर्व प्रधानमंत्री ने भारत के साथ उचित मुक्त-व्यापार समझौते की दिशा तय करने का श्रेय खुद को दिया है, क्योंकि उन्हें मोदी के रूप में बिल्कुल सही साझेदार और मित्र मिल गया है।

जॉनसन ने 'ब्रिटेन और भारत' नामक अध्याय में मोदी के साथ अपनी पहली मुलाकात का जिक्र किया है जब वे लंदन के मेयर थे, तब उन्होंने (मोदी ने) टेम्स नदी के किनारे सिटी हॉल स्थित अपने कार्यालय का दौरा किया था। उन्होंने कहा, किसी कारणवश, हम लोग टावर ब्रिज के पास वाले प्लाजा में अंधेरे में उनके समर्थकों की भीड़ के सामने खड़े हो गए। उन्होंने लिखा, उन्होंने मेरा हाथ पकड़कर उठाया और हिंदी में कुछ कहा, और हालांकि मैं इसे समझ नहीं पाया, लेकिन मैंने उनकी अनोखी आलौकिक ऊर्जा को महसूस किया। तब से मैं उनकी संगति का आनंद ले रहा हूं - क्योंकि मुझे लगता है कि वह हमारे संबंधों के लिए बदलाव लाने वाले व्यक्ति हैं। मोदी के साथ, मुझे यकीन था कि हम न केवल एक बेहतरीन मुक्त व्यापार समझौता कर सकते हैं, बल्कि दोस्तों और बराबरी के तौर पर एक दीर्घकालिक साझेदारी भी बना सकते हैं।

जॉनसन (60) ने खुलासा किया कि कैसे ब्रिटेन के विदेश मंत्रालय ने 2012 में भारत के मेयरल व्यापार प्रतिनिधिमंडल के दौरान उन्हें हिंदू राष्ट्रवादी नेता से मिलने से मना किया था।

ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर ने लैक्मे फैशन वीक में रैंप वॉक की

नई दिल्ली/भाषा

निशानेबाजी में ओलंपिक पदक जीतने वाली मनु भाकर ने लैक्मे फैशन वीक 2024 के दूसरे दिन रैंप वॉक कर जलवा बिखेरा।

इस वर्ष की शुरुआत में पेरिस ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचने वाली मनु भाकर ने शुक्रवार को पहली बार रैंप वॉक की। वह कपड़ों के ब्रांड 'मार्क्स एंड स्पेंसर' के लिए रैंप पर चलीं। 'मार्क्स एंड स्पेंसर' ने इस दौरान सर्दियों के लिए अपना संग्रह पेश किया।

'बिग ऑटम एनर्जी' शीर्षक वाले इस संग्रह में आधुनिक फैशन को कालातीत सुंदरता के साथ जोड़ा गया है।

भाकर ने काले रंग की चमड़े की 'मिडी स्कर्ट' पहनी थी और उसी रंग का बिना बाजू का 'टॉप' पहना था।

भाकर ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''मैं घबराई हुई थी, लेकिन मैंने खुद को शांत रहने और बस चलने के लिए प्रेरित किया। यह स्वप्न सा लग रहा था और मैं 'मार्क्स एंड स्पेंसर' के लिए अपने जीवन में पहली बार रैंप पर चलकर वास्तव में खुश हूं।''

हरियाणा की 22 वर्षीय निशानेबाज ने कहा कि यह पोशाक उनकी शैली से पूरी तरह मेल खाती है, जिसमें आराम और फैशन दोनों का मिश्रण है। उन्होंने कहा, ''आज मैंने जो पोशाक पहनी है, वह मेरे व्यक्तित्व और कपड़ों एवं फैशन को लेकर मेरी पसंद से पूरी तरह मेल खाती है।'' भाकर ने कहा कि उनके लिए कपड़ों का आरामदायक होना सबसे अधिक जरूरी है और फिर स्टाइल महत्वपूर्ण है।

फैशन डिजाइन काउंसिल ऑफ इंडिया (एफडीसीआई) के सहयोग से 'लैक्मे फैशन वीक' का 2024 संस्करण रविवार तक चलेगा।

पूजा

केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया शनिवार को ग्वालियर में गोरखी मंदिर में दशहरा (विजयादशमी) उत्सव के अवसर पर पूजा करते हुए।

'प्राचीन मानव पिछले हिमयुग में जीवित रहने में इतने सक्षम थे कि उन्हें पलायन नहीं करना पड़ा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

न्यूयॉर्क। ऐसा प्रतीत होता है कि मनुष्य ने भेड़ियों और भालुओं के समान ही पिछले हिमयुग से निपटने के लिए खुद को ढाल लिया था।यह खुलासा हमारे हालिया अध्ययन में हुआ है। इससे इस हिमयुग के दौरान हमारे पूर्वज कैसे और कहां रहते थे, इस बारे में लंबे समय से चले आ रहे सिद्धांतों को चुनौती मिली है। पिछले अध्ययनों ने अधिकांश पुरातत्वविदों के इस दृष्टिकोण का समर्थन किया है कि आधुनिक मानव पिछले हिमयुग के चरम पर पहुंचने के बाद दक्षिणी यूरोप में पलायन कर गए थे, तथा बाद में वैश्विक तापमान में वृद्धि के दौरान उनका विस्तार हुआ।लेकिन हमारा अध्ययन आनुवंशिक डेटा का उपयोग करके यह दिखाने वाला पहला अध्ययन है कि कम से कम कुछ मनुष्य मध्य यूरोप में ही रहे, जबकि अन्य कई जानवर ऐसा नहीं करते थे और हमारी प्रजाति अफ्रीका की अपेक्षाकृत गर्म जलवायु में विकसित हुई थी।

वैज्ञानिकों को 19वीं शताब्दी से ही ज्ञात है कि दुनिया भर में जानवरों और पौधों के वितरण में जलवायु के साथ उतार-चढ़ाव आ सकता है।लेकिन जलवायु संकट ने इन उतार-चढ़ावों को समझना पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण बना दिया है। विभिन्न स्थानों पर रहने वाली एक ही प्रजाति की जनसंख्या में प्रायः एक-दूसरे से भिन्न आनुवंशिकी होती है। वैज्ञानिकों ने हाल में अध्ययन किया है कि जलवायु परिवर्तन ने प्रजातियों की इन आनुवंशिक रूप से भिन्न आबादी के वितरण को किस प्रकार प्रभावित किया है। इस क्षेत्र में अधिकांश अध्ययन जानवरों या पौधों की अलग-अलग प्रजातियों पर केंद्रित हैं। उन्होंने प्रदर्शित किया कि मनुष्यों सहित कई प्रजातियों ने लगभग 20,000 साल पहले अंतिम हिमयुग के चरम पर पहुंचने के बाद से अपनी भौगोलिक सीमाओं का विस्तार किया है। उस समय, यूरोप डेनमार्क और दक्षिण वेल्स तक बर्फ से ढक गया था। यूरोप ठंडा था, लेकिन ज़्यादातर बर्फ रहित था, शायद आज के अलास्का या साइबेरिया की तरह।

बौर्नमाउथ विश्वविद्यालय में ऑक्साला गार्सिया-रोड्रिग्ज के नेतृत्व में हमारी टीम के नए अध्ययन ने एक अलग दृष्टिकोण अपनाया और यूरोप के 23 सामान्य स्तनधारियों के आनुवंशिक इतिहास की समीक्षा की। मनुष्यों के अतिरिक्त, इनमें बैंक वोल और लाल गिलहरी जैसे कृंतक, छछूंदर और साही जैसे कीटभक्षी, लाल हिरण और जंगली सूअर जैसे खुर वाले जानवर, तथा भूरे भालू और नेवले जैसे मांसाहारी जानवर शामिल थे।

हमारे अध्ययन में एक महत्वपूर्ण मापदंड यह था कि यूरोप में आज सबसे अधिक विविधता कहां है। ऐसा इसलिए है क्योंकि उच्च आनुवंशिक विविधता वाले क्षेत्र संभवतः प्रजातियों श्ररा सबसे लंबे समय तक रहने वाले क्षेत्र हैं। इन क्षेत्रों को 'रिफ्यूजिया' के नाम से जाना जाता है।

ये वे स्थान हैं जहां प्रजातियां जीवित रहने के लिए उस समय शरण लेती थीं जब अन्य स्थानों पर पर्यावरणीय परिस्थितियां प्रतिकूल होती थीं। हमने जिन स्तनधारियों पर अध्ययन किया, उनके लिए ये 'रिफ्यूजिया'(शरणस्थल) कम से कम अंतिम हिमयुग के समय से ही आबाद रहे होंगे।ये 'रिफ्यूजिया' संभवतः सबसे गर्म क्षेत्र या स्थान थे जहां जानवरों के लिए भोजन ढूंढना सबसे आसान था। हमने जो आनुवंशिक स्वरूप पाया, उनमें ऐसे मामले शामिल हैं जहां कुछ स्तनधारी (जैसे कि लाल लोमड़ी और छोटी हिरन) आइबेरिया और इटली जैसे दक्षिणी क्षेत्रों में हिमनदीय शरणस्थलों तक ही सीमित थे, और हिमयुग के बाद वैश्विक तापमान बढ़ने के साथ ही उनका भौगोलिक वितरण विस्तारित हुआ।

फिल्म 'मेरे जीवन साथी' का फर्स्ट लुक रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

दशहरा के शुभ अवसर पर निर्माता निशांत उज्ज्वल और सुपर स्टार अरविंद अकेला कल्लू की फिल्म मेरे जीवन साथी का फर्स्ट लुक रिलीज हो गया है। निर्देशक प्रेमांशु सिंह ने दावा किया है कि फिल्म मेरे जीवन साथी एक पारिवारिक और सामाजिक फिल्म होगी, जो दर्शकों को न केवल मनोरंजन करेगी, बल्कि महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों पर भी ध्यान केंद्रित करेगी। फिल्म के फर्स्ट लुक में कल्लू की दो तस्वीरें दिखाई गई हैं, जिसमें वे दक्षिण भारतीय अभिनेत्री मेघा श्री और सुपरस्टार आम्रपाली दुबे के साथ नजर आ रहे हैं। निर्माता निशांत उज्ज्वल ने कहा, फिल्म मेरे जीवन साथी,कल्लू की बेहतरीन फिल्मों में से एक होने वाली है। हम सभी ने इस फिल्म में मेहनत की है, और हमें विश्वास है कि दर्शक इसे पसंद करेंगे। रेणु विजय फिल्मस इंटरटेनमेंट प्रस्तुत एवं इन एसोसिएशन विथ भारत चलचित्र की फिल्म मेरे जीवन साथी को लेकर निर्देशक प्रेमांशु सिंह ने कहा कि इस फिल्म में हमने दहेज जैसी ज्वलंत समस्या को उठाया है,जो आज भी समाज में प्रासंगिक है।

अरविंद अकेला कल्लू ने कहा, फिल्म मेरे जीवन साथी,मेरे दिल के बहुत करीब है क्योंकि इसमें एक गहरा सामाजिक संदेश है। हमने इसमें दहेज जैसी गंभीर समस्या को प्रमुखता से दिखाने की कोशिश की है, जो आज भी हमारे समाज में व्याप्त है। इस फिल्म के माध्यम से हम लोगों को जागरूक करना चाहते हैं कि इस कुरीति को खत्म करने के लिए सभी को एकजुट होकर काम करना होगा। फिल्म मेरे जीवन साथी में संजय पांडेय, राम सुजान सिंह, विद्या सिंह, प्रगति भट्ट, रिंकू आयुषी, नवनीत, आर्यन बाबू और संजू सोलंकी जैसे कलाकार प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस फिल्म में ओम झा ने संगीत दिया है और गीत प्यारे लाल यादव, अरबिंद तिवारी, तथा दुर्गेश भट्ट ने लिखे हैं। छायांकन मनोज सिंह द्वारा किया गया है और संकलन का कार्य जितेंद्र सिंह जीतू ने संभाला है।

सोनी मैक्स पर मनोज बाजपेयी की फिल्म भैया जी का होगा प्रीमियर

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता मनोज वाजपेयी की फिल्म भैया जी का प्रीमियर सोनी मैक्स पर 13 अक्टूबर को होगा। मनोज वाजपेयी ने कहा, भैया जी का किरदार निभाना शारीरिक रूप से मुश्किल था। एक्शन सीक्वेंस की शूटिंग लगातार 20 दिनों तक चली, और मैं कई बार घायल हुआ। लेकिन हम इसे पूरा करने के लिए दृढ़संकल्पित थे, और हमने कभी भी चोटों को शूटिंग में बाधा नहीं बनने दिया।मैं किरदार में प्रामाणिकता लाना चाहता था। भले ही मैं अब 20 या 30 साल का नहीं हूं, लेकिन मैंने इस चुनौती को स्वीकारने का फैसला किया। यह काफी मुश्किल अनुभव था, लेकिन मुझे खुशी है कि मैंने ऐसा किया। फिल्म भैया जी में मनोज बाजपेयी ,भागीरथी, ज़ोया हुसैन, और विपिन शर्मा सहित कई प्रतिभाशाली कलाकार हैं। फिल्म भैया जी सोनी मैक्स पर 13 अक्टूबर को दोपहर 01:00 बजे और रात 08:00 बजे दिखायी जायेगी।

यश कुमार की फिल्म नागराज और चण्डालिका का फर्स्ट लुक रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार यश कुमार और अपर्णा मलिक स्टारर फिल्म नागराज और चण्डालिका का फर्स्ट लुक रिलीज हो गया है। फिल्म नागराज और चण्डालिका का निर्माण यश कुमार एंटरटेनमेंट के बैनर तले हो रहा है और निर्देशन राज किशोर प्रसाद (राजू) कर रहे हैं। इस फिल्म की कहानी यश कुमार और मनोज कुशवाहा ने लिखी है। फिल्म नागराज और चण्डालिका का फर्स्ट लुक रिलीज होने के बाद यश कुमार ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, इस फिल्म का फर्स्ट लुक दर्शकों को बहुत पसंद आएगा, क्योंकि इसमें एक अनोखी कहानी के साथ दमदार एक्शन और इमोशन का मेल है। हम इसे लेकर बेहद उत्साहित हैं। मुझे उम्मीद है कि दर्शक इस फिल्म को भरपूर प्यार देंगे, जैसा कि उन्होंने हमेशा मेरे काम को सराहा है।नागराज और चण्डालिका एक ऐसी फिल्म है जो दर्शकों को अपने साथ बांधे रखेगी। इसकी कहानी और किरदार दर्शकों के दिलों पर छाप छोड़ेंगे। फिल्म में एक्शन, इमोशन और मनोरंजन का बेहतरीन मिश्रण है, और यह सभी उम्र के दर्शकों को पसंद आएगी। फिल्म नागराज और चण्डालिका का संगीत साजन मिश्रा ने तैयार किया है। गीतकार राजेश मिश्रा और धरम हिंदुस्तानी हैं। डीओपी समीर सैयद जहांगीर है, जबकि एक्शन प्रदीप खड़का का है।

फिल्म 'ऊंचाई' ने मुझे नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया : सूरज बड़जात्या

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के जानेमाने फिल्मकार सूरज बड़जात्या का कहना है कि फिल्म उंचाई ने उन्हें नई ऊंचाईयों पर पहुंचाया है। 70वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में सूरज बड़जात्या को फिल्म उंचाई के लिये सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार मिला है।राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने पर सूरज बड़जात्या ने ने खुशी जताई है। सूरज बड़जात्या ने कहा , ऊंचाई उस तरह की फिल्म नहीं थी जिसकी लोग मुझसे उम्मीद करते थे।

इसमें मेरे पिछले कामों जैसी भव्यता नहीं थी, लेकिन यह विषय मेरे दिल से आया था। मैंने उंचाई को नहीं चुना; बल्कि ऊंचाई ने मुझे चुना।यह पुरस्कार उस यात्रा की सही पराकाष्ठा है।इस फ़िल्म ने मुझे शाब्दिक और रचनात्मक दोनों तरह से नई ऊंचाइयों पर पहुँचाया।ऊंचाई के निर्माण के दौरान मेरी पूरी कास्ट मेरी रीढ़ थी। मुझ पर और फिल्म पर उनका विश्वास और ऐसी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों को सहने की, उनकी इच्छा ने,इस यात्रा को अविस्मरणीय बना दिया।मैंने अभी तक काम पूरा नहीं किया है. कहने के लिए और भी कई कहानियाँ हैं और पहुँचने के लिए और भी कई ऊंचाईयां हैं। मैं यह पुरस्कार राजश्री प्रोडक्शंस को समर्पित करता हूं , जो अपनी 75वीं वर्षगांठ मना रहा है।

रतन टाटा की जिंदगी पर फिल्म बनाएंगे डा.सुभाष चंद्रा

मुंबई/एजेन्सी

जी समूह के संस्थापक डा. सुभाष चंद्रा ने दिवंगत उद्योगपति रतन टाटा की जिंदगी पर फिल्म बनाने का ऐलान किया है।

प्रसिद्ध उद्योगपति एवं टाटा संस के मानद अध्यक्ष पद्म विभूषण रतन एन टाटा का निधन बुधवार को हो गया है।जी समूह के संस्थापक डा.सुभाष चंद्रा ने रतन टाटा के जीवन पर फिल्म बनाने का ऐलान किया है। डा.सुभाष चंद्रा ने कहा, 'जी ग्रुप ने निर्णय लिया है, रतन टाटा के उपर, उनके जीवन के उपर एक फुल लेंथ बायोग्राफिकल फिल्म बनाई जाएगी, जोकि जी5 पर तो चलेगी ही। बाकी जी के जितनी भी भाषाओं के नेटवर्क हैं, उन सभी भाषाओं में फिल्म बनेगी। पूरे देश और दुनिया को वियोन के माध्यम से वह फिल्म दिखाई जाएगी।

फिल्म 'बलमा बड़ा नादान' की शूटिंग कुशीनगर में

मुंबई/एजेन्सी

आलम ब्रदर्स प्रोडक्शन के बैनर तले दिनेश लाल यादव निरहुआ की भोजपुरी फिल्म 'बलमा बड़ा नादान' की शूटिंग उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में की जा रही है। निर्देशक महमूद आलम ने बताया कि फिल्म 'बलमा बड़ा नादान' पूरी तरह से पारिवारिक फिल्म है।यह फ़िल्म आम दर्शकों को ध्यान में रखकर बनाई जा रही है। पारिवारिक फ़िल्में आम तौर पर युवा दर्शकों के लिए उपयुक्त होती है। दिनेश लाल यादव निरहुआ और ऋचा दीक्षित की जोड़ी भोजपुरिया दर्शकों को बहुत पसंद आएगी। फिल्म में एक से बढ़कर एक गाने है, जिसका संगीत मधुकर आनंद ने तैयार किया है। दिनेश लाल यादव निरहुआ ने बताया कि फिल्म 'बलमा बड़ा नादान' में काम कर मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। महमूद आलम एक अच्छे निर्देशक के साथ -साथ एक अच्छे इंसान भी हैं।आज-कल ज्यादातर फिल्में पारिवारिक बन रही है। यह फिल्म भी पारिवारिक है, जो हमारे सभी दर्शकों को पसंद आएगी।गौतम बुद्ध की नगरी कुशीनगर के निवासी बहुत प्यार और दुलार दे रहे है। फिल्म 'बलमा बड़ा नादान' के निर्माता-निर्देशक महमूद आलम ,लेखक एस के चौहान एवं महमूद आलम ,संगीतकार मधुकर आनंद , छायांकन सुनील अहीर ,डांस मास्टर कानू मुखर्जी हैं। इस फिल्म में दिनेश लाल यादव निरहुआ,ऋचा दीक्षित,संजय पांडे,मनोज टाइगर,विनोद मिश्रा,अनूप अरोड़ा,पुष्पा वर्मा,अंजलि चौहान,विजय महादेव गोस्वामी,कादिर शेख, धामा वर्मा और (बाल कलाकार) दिनेश मंद मुढ़ी हैं।

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद बिहार भवन द्वारा दुर्गा पूजा महोत्सव मनाया गया। गुरुवार को भगवती सिद्धिदात्री की पूजा की गई जिसमें भूतपूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ अश्वत्थनारायण, भूतपूर्व डीजीपी आशीत मोहनप्रसाद, बीएचईएल के उपमहाप्रबंधक मुकेश लाल, चिकपेट के पूर्व पार्षद शिवकुमार आदि ने मां भगवती का दर्शन किए।

केआरएस रोड स्थित आईमाताजी मंदिर में नवरात्रि में हुए अनेक आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूर। यहां की केआरएस रोड पर स्थित श्री आईमाताजी मंदिर के प्रांगण में नो दिनों तक चले नवरात्रि उत्सव शनिवार को बड़े हर्षोलाष से संपन्न हुआ।

इस अवसर पर महिलाओं द्वारा डांडिया रास एव ढोल की थाप पर नृत्य किया। साथ ही गैर मंडल की ओर से अध्यक्ष चेनाराम परिहार की अगुवाई में गैर नृत्य कर सभी का मन मोह लिया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कनाडा साहित्य परिषद के पूर्व अध्यक्ष चंद्रशेखर मौजूद रहे, जिनका समाज की ओर से सम्मान किया गया। साथ ही समाज के सभी पदाधिकारियों का भी सम्मान किया गया ।

शुक्रवार रात्रि को भजन संध्या हुई जिसमें भजन गायक ओमप्रकाश नागौरा एंड पार्टी द्वारा माताजी के भजनों की प्रस्तुति दी गई। शनिवार के दिन सुबह मंदिर के सभा भवन में सभी अखंड व्रतधारियों का सम्मान के साथ पूर्णाहुति करवाई। इस अवसर पर सीरवी समाज केआरएस रोड के संस्थापक सूराराम सोलंकी, अध्यक्ष मोटाराम सोलंकी, आईजी गैर मंडल के अध्यक्ष चेनाराम परिहार, उपाध्यक्ष धर्मीचंद हामड़, आईजी सेवा संघ के अध्यक्ष रूपाराम राठौड़, सचिव,किशन लाल सानापुरा, सदस्य प्रकाश राम पंवार,महिला मंडल की अध्यक्ष विमला गहलोत, सचिव कमला बर्फा, कोषाध्यक्ष पुष्पा काग सहित बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया।

समुदाय की जिम्मेदारी संभालने वाले होते हैं उपाध्यायश्री : साध्वी स्वर्णाजंनाश्री

नवपद ओली का चतुर्थ दिन उपाध्याय पद की आराधना का दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी स्वर्णाजनाश्रीजी ने नवपद जी की ओली के चतुर्थ दिवस के प्रवचन में कहा कि उपाध्याय यानी शिष्यों के पठन पाठन की जिम्मेदारी, विनय की प्रतिमूर्ति, निश्रावर्ती सभी साधुओं को संयम मार्ग में स्थिर करने का महान कार्य करन् वाले महापुरुष होते हैं। आचार्य शासन को चलाते हैं तो उपाध्याय संघ को चलाते हे्। जिस वाणी को तीर्थंकरो ने कहा है उस वाणी को उपाध्याय पदधारी संघ श्रवण करवाते हे्। योग्य आत्मा को वात्सल्य, समझ, स्नेह देकर उसे धर्म में रत करना यह उपाध्याय की जिम्मेदारी है। जैसे पंच परमेष्ठी में बीच में आचार्य विराजित है, वैसे गुरु तत्त्व के बीच उपाध्याय विराजित है। साधु और आचार्य के बीच पुल का कार्य उपाध्याय करते है। आचार्य जिनशासन के राजा है तो उपाध्याय जिनशासन के युवराज हैं और आने वाले समय में वो आचार्य बनकर शासन को मार्ग दिखाते हे्। आचार्य को तीर्थंकर की उपमा दी गई है तो उपाध्याय को गणधर की उपमा दी गई है। तीर्थंकर अर्थ का उपदेश देते है। आचार्य भी वही अर्थ का उपदेश हमें देते है। गणधर सूत्रों और आगमों की रचना करते है। उपाध्याय उन आगमों का अर्थ सिखाते है। उपाध्याय गच्छ की जिम्मेदारी सँभालते हैं जिससे आचार्य भगवंत गच्छ के साथ शासन को चला सकते हे्। मुमुक्षु को दीक्षा आचार्य देते है। उपाध्याय उन्हें संभालते है। आचार्य पिता जैसे हैं तो उपाध्याय माता के समान होते हैं। उपाध्याय पदधारी से हमें विनय गुण की याचना करनी है। गौतम स्वामी को उपाध्यायपद धारी कहा जाता है। उपाध्याय के 25 गुण होते हैं। ऐसे विनय की मूर्ति, आचार्य की आज्ञा को शिरोधार्य करने वाले, उपाध्याय पद को हमारी वंदना, उनको किया गया नमन हमें विनय गुण की प्राप्ति करवाता है।

सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद के दुर्गा पूजा महोत्सव में हुआ वार्षिक कैलेंडर का विमोचन

विसर्जन शोभायात्रा में उमड़े श्रद्धालु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद बिहार भवन द्वारा दुर्गा पूजा महोत्सव मनाया गया। गुरुवार को भगवती सिद्धिदात्री की पूजा की गई जिसमें भूतपूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ अश्वत्थनारायण, भूतपूर्व डीजीपी आशीत मोहनप्रसाद, बीएचईएल के उपमहाप्रबंधक मुकेश लाल, चिकपेट के पूर्व पार्षद शिवकुमार आदि ने मां भगवती का दर्शन किए।

परिषद के पदाधिकारियों, महिला मंडल एवं युवा मंडल तथा गणमान्य लोगों के द्वारा आगामी वर्ष का कैलेंडर विमोचन ि्कया गया। बच्चों द्वारा, रामायण की झांकियां, शिवशक्ति नाटक विभिन्न तरह का नृत्य, गायन एवं रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। मां भगवती की पूजा के उपरांत जयंती छेदन कार्यक्रम किया गया।

भक्तगणों ने एक दूसरे से गले मिलकर विजयदशमी की शुभकामनाएं दी। दोपहर में विसर्जन शोभायात्रा आरटी नगर से अलसूर लेक के लिए निकाली गई जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। संध्या काल में प्रतिमा का विसर्जन अलसूर लेक में किया गया।

नवकार महामंत्र पर दृढ़ आस्था रखने वाले हमेशा सफल होते हैं : साध्वीश्री धर्मप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के हनुमंतनगर स्थित मरुधर केसरी दरबार में धर्मसभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को नवपद आयंबिल ओली आराधना के चौथे दिवस पर उपाध्याय पद की विधिवत आराधना संपन्न करवाते हुए उपाध्याय भगवंत के गुणों पर सारगर्भित प्रकाश डालते हुए साध्वीश्री धर्मप्रभाजी ने कहा कि पच्चीस गुणों के धारक वे आगम के गहन ज्ञाता होते हे्। जिज्ञासुओं की रही हुई सभी शंकाओं का समाधान करते हैं। भ्रान्ति मिटाते है और शिष्य को आगम-सूत्र का सम्यक् पारायण स्वाध्याय कराते हुए साधक शिष्य के ज्ञान में अभिवृद्धि करते हैं। वे जिन नहीं पर जिन सरीखे हैं, केवली नहीं पर उन्हें सर्वगुण संपन्न केवली भगवान के समान बताया गया है। उन्होंने श्रीपाल चारित्र का वांचन करते हुए कहा कि नवकार महामंत्र पर दृढ़ आस्था रखते हुए अपने सज्जनतापूर्ण सरल, सौम्य मधुर व्यवहार से समुद्रयात्रा के दौरान विभिन्न द्वीप – बन्दरगाहों पर उन्हें हर क्षेत्र में मान सम्मान के साथ अपार धन-वैभव के साथ व्यापार में दिन-दुनी रात चौगुनी वृद्धि लाभ हो रहा हैं।

प्रारंभ में साध्वीश्री स्नेहप्रभाजी म.सा. ने तीर्थंकर महावीर की अंतिम देशना श्रीमद् उत्तराध्ययन सूत्र के दसवें द्रुमपत्रक अध्ययन का श्रद्धालुओं को सूत्रगाथा का अध्ययन कराते हुए अध्ययन पर सारगर्भित प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रभु महावीर ने अपनी अमृत देशना में गौतम स्वामी के माध्यम से उन्हें प्रतिबोधित करते हुए समस्त संसारी जीवों को भी यही संदेश प्रसारित किया है कि जिस प्रकार समय के साथ वृत्त का पत्ता पीला होकर गिर जाता है, उसी प्रकार मनुष्य का यह जीवन भी आयु पूर्ण होने के साथ ही नष्ट हो जाता है। इस अध्ययन में भगवान महावीर ने गणधर गौतम स्वामी को सम्बोधित करते हुए छत्तीस वार 'समर्थ गीयम मा पमायए' की सद्शिक्षा हम सबको दी है कि जैसे कुश के अग्र भाग पर टिकी हुई ओस की बूंद उन पर भास्कर सूर्य की किरणें पड़ने पर मोती के समान चमकती दिखाई देती हैं लेकिन थोड़ी देर बार सूर्य का प्रकाश ज्यादा पड़ने पर क्षणभर में विलीन हो जाती है। वैसेहि यह संसार में मनुष्य का जीवन क्षणिक, नाशवान, क्षण भंगुर हैं। प्रमाद का त्याग अनंत सुख की प्राप्ति की दिशा में सजग सचेत जागरुक बन मुक्ति मार्ग में धर्म-पुरुषार्थ को गतिशील करें। रविवार को सुबह साध्वीवृन्द के निश्रा में सरस्वती ज्ञान-आराधना का विशेष आयोजन रखा गया है। संचालन कल्याण सिंह बुरड़ ने किया।

मूर्ति विसर्जन के साथ सम्पन्न हुआ सिद्धार्थ सांस्कृतिक समिति का दुर्गा पूजा महोत्सव

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । स्थानीय सिद्धार्थ सांस्कृतिक समिति एवं राजेन्द्र बाबू मेमोरियल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में शहर के पैलेस ग्राउंड, प्रिंसेस श्राइन में विधि-विधान एवं हर्षोल्लास के साथ शक्ति की देवी मां दुर्गा आराधना का पर्व दशहरा महोत्सव सम्पन्न हुआ। शुक्रवार को नवमी पूजन एवं कन्या पूजन किया गया। शनिवार दसवीं पूजन में आरती, पुष्पांजलि विसर्जन अनुष्ठान में सभी भक्त गणों ने भाग लिया। तत्पश्चात जयकारों के उपस्थित श्रद्धालुओं ने ने अश्रुपूरित नयनों से मां भवानी को विदाई दी। दोपहर तीन बजे अलसूर तालाब हेतु शोभायात्रा निकाली गई जहां देर रात माता को विसर्जित किया गया। समिति सचिव सुबोध सिंह पूजा उपसमिति अध्यक्ष शेषनाथ दुबे ने सभी आगंतुक भक्तजनों एवं समिति के कार्यकर्ताओं को धन्यवाद दिया।

वैशाली जनकल्याण समिति के दुर्गा पूजा में दिखा श्रद्धा का सैलाब

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वैशाली जनकल्याण समिति द्वारा बीटीएम लेआउट पांडाल में महानवमी की पूजा बहुत ही धूमधाम से मनाई गई। भक्तों ने माँ दुर्गा की पूजा अर्चना में बढ़ चढ़ के हिस्सा लिया और माँ भजन कीर्तन का खूब लुत्फ भी उठाया।

पूरे दिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों मी धूम रही। पंडित अमित तिवारी ने सभी भक्तों से धार्मिक अनुष्ठान करवाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजकुमार शर्मा ने की और सभी सदस्य ने पूजा की पूरी व्यवस्था को संभाला। पूजा महोत्सव में मुकेशकुमार सिंह, पंकज सिंह, धीरेंद्र सिंह, एके गुप्ता, निशांत द्विवेदी, प्रभु शर्मा , तनुज चन्दन शर्मा, गोपालकुमार, सुरेश विश्वकर्मा आदि ने भाग लिया।

पुतलों को जलाने से नहीं मिटेगी बुराइयां : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

मैसूरु/दक्षिण भारत। शहर के नजरबाद स्थित बुद्धि-वीर वाटिका के विशाल पंडाल में अंतहीन राम-रावण युद्ध विषय पर विराट धर्मसभा को संबोधित करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि आज के जमाने में यदि रावण जिंदा होते तो वे भी यह देखकर आवक रह जाते कि चलो मुझसे बड़े पाप-अपराध तो यहां आसानी से किए जाते हैं ! मेरा अपराध बड़ा नहीं है। पूरी ईमानदारी से सोचे तो पता चलता है कि आधुनिक भोगवादी युग में साधु-संतों के अलावा दुराचार को रोकने की वकालत करने वाला कोई नहीं है। हर क्षेत्र के नायक गूंगे-बहरे होकर सब देखते जा रहे हैं। कोई आवाज नहीं उठता। कन्याओं और महिलाओं की छेड़खानी, उनके साथ दुर्व्यवहार और बलात्कार तथा उनकी हत्याओं में निरंतर इजाफा होता जा रहा है। कई मामलों में मुजरिम पकड़े जाते हैं, सजाएं होती हैं, छूट भी जाते हैं, लेकिन पाप कम नहीं हो रहे। लोग रावण के पुतले जलाकर बहादुरी बता रहे हैं, लेकिन घर में, गली में, बाजार में, समाज में हजारों-लाखों रावण बिंदास घूम रहे हैं, उनको रोकने की शक्ति किसी के पास दिखाई नहीं देती। आज सरेआम घूमते जिंदे रावणों का उपचार कब होगा ? कौन करेगा ? कैसे होगा ? रावण दहन करने वालों के पास इन सवालों के जवाब नहीं है। सिर्फ पुतले जलाना तो अज्ञानता और अन्यायपूर्ण प्रक्रिया है। यह तो निष्क्रिय और उदासीन समाज का उहापोह मात्र है। फायदा कुछ भी नहीं है। रावण ने तो सीता मैया का स्पर्श तक नहीं किया था। फिर भी उसको हजारों वर्षों से सजा दी जा रही है और दूसरी तरफ आधुनिक भारत में कोर्ट और कानून से शिकंजे से बलात्कारी भी आसानी से छूट जाते हैं, यह कैसा न्याय है ? रावण ने तो अपहरण के बाद भी सीता मैया से छेड़खानी नहीं की थी और आज हजारों-लाखों युवतियां छेड़खानी की शिकायत तक दर्ज नहीं करवाती, क्योंकि उनको पता है कि बेइज्जती के सिवाय शिकायत से कोई फायदा नहीं होगा। वे लाचार युवतियां हर दिन परेशान होती हे्। विश्वास करने के लिए हर कोई अपने घर की महिलाओं और कन्याओं से पूछिए कि उनके साथ बाहर बाजार में क्या-क्या होता है ? कितने पाखंडी पनप चुके हैं ! जो बाहुबली ताकतवर हैं, उनके समक्ष सभी परास्त और अपाहिज हैं। यह कैसा न्याय, कैसा धर्म हैं? इस अधर्म और अपराध की चर्चा विधानसभा, लोकसभा और न्यायालय में नहीं होती। जिस पर गुजरती है, उससे संबंधित लोग छाती पीटते रहते हे्। बाकी किसी को कोई फर्क नहीं पड़ता।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि पुतलों को जलाकर लोग सिर्फ भ्रमित होते हैं कि अधर्म पर धर्म की जीत हो गयी। हकीकत में ऐसा नहीं है। सदियों सदियों से रावण का दहन किया जा रहा है, फिर भी अधर्म तो फैलता जा रहा है और धर्म कमजोर पड़ता जा रहा है। दरअसल पुतलों को जलाना पलायनवादिता है। अधर्म के नाश की इस भ्रमित मानसिकता से समाज का कुछ भी भला नहीं हो रहा। पुतले जलाने से रावण का कुछ नहीं बिगड़ रहा और पुतले दहन से बुराइयों का दहन नहीं हो रहा। अगर प्रतीकात्मक रावण दहन से बुराइयां मिटती होती तो अब तक संसार का बहुत भला हो गया होता। जबकि सच्चाई यह है कि दिन प्रतिदिन बुराइयां बढ़ती जा रही हैं। दुराचार और व्यभिचार सारी मर्यादाएं लांघकर बेरोकटोक चल रहा है। दुराचार और व्यभिचार को कानूनी और सामाजिक मान्यता मिल रही है। गंदे सिनेमा, सीरियल, गीत, परिधान और विज्ञापनों को कौन रोक रहा है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दुर्गा पूजा

बेंगलूरु के मां दुर्गा पूजा समिति ट्रस्ट् मागड़ी रोड् आंद्रेहल्ली द्वारा दशहरा महोत्सव का आयोजन हर्षोल्लास से मनाया गया। इस मौके पर भजन कलाकार अभिषेक दुबे, राम प्रवेश, प्रियंका आदि गायकों ने भजनों की प्रस्तुति दी जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत, संजय मिश्रा ने मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। ट्रस्ट् के पीके सिंह, फेक्कू गुप्ता, पीएस पांडे, नारायण यादव ने अतिथियों का सम्मान किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

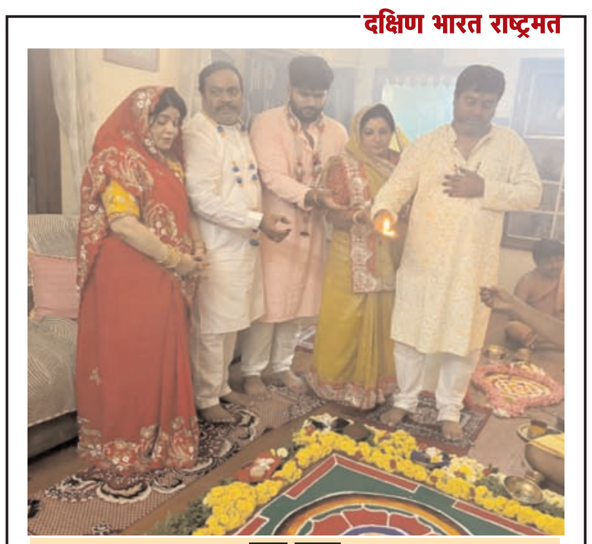

यज्ञ पूजा

बेंगलूरु के शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज के वरिष्ठ सदस्य तेजराज शर्मा के कोरमंगला स्थित राजेन्द्र निवास में विद्वान पंडितों के नेतृत्व में समाज की खुशहाली की कामना के लिए एवं नवरात्रि पूजा समापन के मौके परशांति यज्ञ का आयोजन किया जिसमें बड़ी संख्या में शाकद्वीपीय समाज के सदस्य व अन्य हितैषी उपस्थित थे।

लिंगराजपुरम बडेर में सामूहिक हवन व व्रतधारियों के सम्मान के साथ सम्पन्न हुआ नवरात्रि महोत्सव

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के सीरवी सेवा संघ लिंगराजपुरम बड़ेर के तत्वावधान में आईमाता मंदिर प्रांगण में नवरात्रि महोत्सव के उपलक्ष्य में चल रही संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा एवं माँ दुर्गा पंच कुण्डीय यज्ञ अनुष्ठान शनिवार को अखंड व्रतधारियों के सामूहिक पारणा के साथ सम्पन्न हो गया। इस मौके पर आईमाता के बेल के ग्यारह नियमों का गायन हुआ्। भागवत कथा के दौरान बीच-बीच में आईमाता का जयकारा भी गूंजता रहा।

सहसचिव जुगराज चोयल ने यह जानकारी देते हुए बताया कि भागवत कथा के दौरान संत मनोहर दास ने सीरवी समाज की ओर से माता जी के बडेर में गौशाला खोले जाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इससे गौमाता की सेवा का अवसर प्राप्त होने के साथ ही गौवंश का संरक्षण व संवर्धन भी होगा। इसके साथ ही बडेरों में प्रज्ञवलित होने वाली अखंड ज्योति के लिए गाय का शुद्ध देशी घी भी प्राप्त होगा।

मां दुर्गा पंच कुण्डीय यज्ञ अनुष्ठान करवा रहे आईमाता के पुजारी पंडित नेमीचंद सारस्वत शास्त्री ने सामूहिक हवन अनुष्ठान विधिविधान से संपन्न करवाया, जिसमें 54 अखंड व्रतधारियों ने सजोड़े के साथ हवन में आहुति दी। सेवा संघ की ओर से सभी अखंड व्रतधारियों का सम्मान भी किया गया।

संघ के अध्यक्ष नारायणलाल परिहार ने सभी का स्वागत करते हुए सहयोगियों को धन्यवाद दिया। नवरात्रि के दौरान प्रतिदिन सुबह-शाम माताजी की स्तुति, पूजा-अर्चना व मंगल आरती के साथ ही भक्ति संगीत के विविध कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में लोग सपरिवार शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन सहसचिव जुगराज चोयल ने किया।

विजयदशमी को सेवा संघ की ओर से अखंड व्रतधारियों का सामूहिक पारणा संपन्न होने के साथ ही नौदिवसीय कार्यक्रम पूर्ण हुआ। इस अवसर पर सेवा संघ के अध्यक्ष नारायणलाल परिहार, उपाध्यक्ष धर्माराम काग, सहसचिव जुगराज चोयल, कोषाध्यक्ष मांगीलाल राठौड़, पूर्व अध्यक्ष चोलाराम चोयल सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com